website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक **रॉयल पत्रिका**

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

वर्ष :13 | अंक : 225 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार, 24 जुलाई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी की ब्रिटेन और मालदीव की यात्रा, ठोस परिणामों की उम्मीद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बुधवार को ब्रिटेन और मालदीव के राजकीय दौरे पर जा रहे हैं। रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने कहा कि यह यात्रा दोनों देशों के साथ संबंधों को और मजबूत करेगी और इसके ठोस परिणाम सामने आएंगे।

यात्रा से पहले जारी अपने बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी है, जिसने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। हमारा सहयोग व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, नवाचार, रक्षा, शिक्षा, अनुसंधान, सतत विकास, स्वास्थ्य और लोगों से लोगों के संबंधों जैसे कई क्षेत्रों में फैला हुआ है।"

प्रधानमंत्री की ब्रिटेन यात्रा 23-24 जुलाई के बीच होगी, जो ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के निमंत्रण पर हो रही है। यह पीएम मोदी की चौथी ब्रिटेन यात्रा है। प्रस्थान वक्तव्य में पीएम मोदी ने कहा कि वह प्रधानमंत्री स्टार्मर के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे, जिसमें दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने पर चर्चा होगी, ताकि समृद्धि, विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा दिया जा सके। पीएम मोदी ने कहा कि वह ब्रिटेन के किंग चार्ल्स तृतीय से भी मुलाकात करेंगे।

उन्होंने आगे कहा, इसके बाद, मैं राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज़्ज़ के निमंत्रण पर मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ के समारोह में शामिल होने के लिए मालदीव का दौरा करूंगा। इस वर्ष हमारे दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ भी है। मैं राष्ट्रपति मुइज़्ज़ और अन्य राजनीतिक नेतृत्व के साथ अपनी बैठकों की प्रतीक्षा कर रहा हूं जिससे कि एक व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी के हमारे संयुक्त विजन को आगे बढ़ाया जा सके और हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, समृद्धि और स्थिरता के लिए हमारे सहयोग को सुदृढ़ बनाया जा सके।

पीएम मोदी ने विश्वास जताया कि इस यात्रा से ठोस परिणाम प्राप्त होंगे, जिससे देश के लोगों को लाभ होगा तथा हमारी पड़ोसी प्रथम नीति को बढ़ावा मिलेगा।

दरअसल, इस यात्रा का विशेष महत्व है, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी 26 जुलाई को मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। यही नहीं, इस वर्ष भारत और मालदीव के बीच राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ भी मनाई जा रही है।

वहीं, प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति और 'विजन महासागर' के तहत समुद्री पड़ोसियों के साथ संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इस्तांबुल में रूस-यूक्रेन शांति वार्ता का तीसरा दौर बुधवार से संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से चले आ रहे युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों के तहत शांति वार्ता का तीसरा दौर इस्तांबुल में बुधवार शाम से शुरू हो सकता है। रूसी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रूस का प्रतिनिधिमंडल इस्तांबुल रवाना हो चुका है। रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राष्ट्रपति के सहायक व्लादिमीर मेडिंस्की कर रहे हैं, जबकि यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रक्षा परिषद के सचिव रुस्तम उमेरोव कर रहे हैं। उमेरोव पहले यूक्रेन के रक्षा मंत्री रह चुके हैं और इससे पहले मई 16 और जून 2 को इस्तांबुल में हुई दो वार्ताओं में भी यूक्रेनी दल का नेतृत्व कर चुके हैं।

हालांकि, पहले दो दौर की वार्ताओं में कुछ कैदियों की अदला-बदली के अलावा संघर्ष विराम पर कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा, "वार्ताओं की गति को तेज करने की आवश्यकता है। संघर्ष विराम के लिए हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए।"

वहीं, क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने मंगलवार को कहा, "हमें किसी चमत्कारी परिणाम की उम्मीद नहीं है। मौजूदा हालात में ऐसा संभव नहीं है।"पेस्कोव ने आगे कहा कि मास्को और कीव के बीच युद्ध समाप्त करने को लेकर "पूर्णत: विपरीत दृष्टिकोण" हैं और अभी भी "काफी काम बाकी है।"

गौरतलब है कि पिछली वार्ता के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि दोनों पक्षों द्वारा प्रस्तुत शांति योजनाएं "एक-दूसरे से बिल्कुल विपरीत हैं।"

रूस की मांग है कि यूक्रेन सैन्य गठबंधनों से बाहर रहे, न्यूट्रल बने और क्रीमिया, लुहान्स्क, डोनेट्स्क, ज़ापोरीझिया और खेरसॉन को रूसी क्षेत्र के रूप में मान्यता दे। इसके जवाब में यूक्रेन का कहना है कि वह न्यूट्रल रहने के लिए बाध्य नहीं है और यूरोपीय संघ तथा नाटो की ओर बढ़ना उसका अधिकार है।

भारतीय नौसेना के जहाजों का सिंगापुर दौरा संपन्न

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के जहाज दिल्ली, शक्ति, सतपुड़ा और किल्टन ने फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग पूर्वी बेड़े (एफओसीईएफ) रियर एडमिरल सुशील मेनन की कमान में और दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय नौसेना की परिचालन तैनाती के हिस्से के रूप में 16 से 19 जुलाई 2025 तक सिंगापुर के बंदरगाह पर अपना दौरा पूरा किया।

इस यात्रा के दौरान एफओसीईएफ ने सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त और सिंगापुर गणराज्य की नौसेना के फ्लीट कमांडर से मुलाकात की। उन्होंनने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में द्विपक्षीय नौसैनिक संबंधों और समुद्री सहयोग को बढ़ाने के अवसरों और संभावनाओं पर चर्चा की। एफओसीईएफ ने समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय विकास पर भारतीय नौसेना के दृष्टिकोण पर अकादमिक समुदाय के साथ अनौपचारिक चर्चा भी की।

पूर्वी बेड़े के जहाजों के कमांडिंग अधिकारियों ने क्रांजी युद्ध स्मारक पर एक भव्य पुष्पांजलि समारोह में भाग लिया और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

दोनों नौसेनाओं के बीच व्यावसायिक बातचीत में क्रॉस-डेक दौरे, विषय-वस्तु विशेषज्ञों का आदान-प्रदान (एसएमईई) और मैत्रीपूर्ण खेल गतिविधियां शामिल थीं, जिनका उद्देश्य अंतर-संचालन और आपसी समझ को मज़बूत करना था। आईएनएस शक्ति पर एक डेक रिसेप्शन का आयोजन किया गया, जिसमें आरएसएन के कर्मचारी, प्रतिष्ठित व्यक्ति, राजनयिक समुदाय के सदस्य और प्रवासी भारतीय समुद्री साझेदारी का उत्सव मनाने और उन्हें मज़बूत करने के लिए एकत्रित हुए। सिंगापुर बंदरगाह पर भारतीय नौसेना की यात्रा ने क्षेत्रीय स्थिरता, सुरक्षा और समुद्री सहयोग की प्रतिबद्धता और योगदान को प्रदर्शित किया, जो क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (सागर) के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

भारत और नेपाल ने द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग और सीमा प्रबंधन को और मजबूत करने पर जताई सहमति

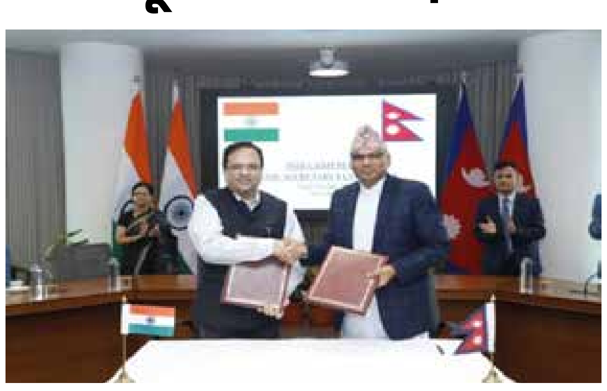

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और नेपाल के बीच नई दिल्ली में गृह सचिव स्तर की वार्ता में दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग और सीमा प्रबंधन की समग्र समीक्षा की और इसे और मजबूत करने पर सहमति जताई। वार्ता के दौरान उन्होंने आपराधिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता समझौते के पाठ को अंतिम रूप देने का स्वागत किया और संशोधित प्रत्यर्पण संधि शीघ्र सम्पन्न करने की दिशा में काम करने पर सहमति जताई।

वहीं, गृह सचिव स्तर की अगली वार्ता पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तारीख पर नेपाल में आयोजित की जाएगी।

गृह मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में बताया कि भारत और नेपाल के बीच गृह सचिव स्तर की वार्ता 22 जुलाई 2025 को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भारत सरकार के गृह सचिव गोविंद मोहन किया, जबकि नेपाली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व नेपाल सरकार के गृह सचिव गोकर्ण मणि दुवादी ने किया।

वार्ता के दौरान, दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग और सीमा प्रबंधन की समग्र समीक्षा की और इसे और मजबूत करने पर सहमति जताई।

चर्चा में सीमा स्तंभों की मरम्मत और रखरखाव, सीमा पार आपराधिक गतिविधियां, सीमा जिला समन्वय समितियों के कार्य, सीमा अवसंरचना, विशेष रूप से एकीकृत जांच चौकियों (ICPs), सड़कों और रेलवे नेटवर्क को मजबूत करने, विभिन्न सुरक्षा संबंधी संस्थानों के सशक्तिकरण और क्षमता निर्माण, तथा आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन में सहयोग को मजबूत करने के तरीके जैसे मुद्दे शामिल थे।

केंद्र और आरबीआई ने मिलकर निभाई एनपीए नियंत्रण में बड़ी भूमिका- अर्थशास्त्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। पब्लिक सेक्टर बैंक के ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स (एनपीए) घटने को अर्थशास्त्रियों ने बुधवार को आरबीआई और केंद्र का सामूहिक प्रयास बताया। अर्थशास्त्री पंकज जायसवाल ने बताया कि, "एनपीए में सुधार आरबीआई और केंद्र दोनों के ही प्रयासों से संभव हो पाया है। इस क्रम में केंद्रीय बैंक और केंद्र सरकार एक दूसरे के पूरक रहे। आरबीआई और केंद्र ने मिलकर एक ही दिशा में काम किया।"

उद्योग सेक्टर में बहुत सारे खाते स्ट्रेस में चले गए थे और एवर-ग्रीनिंग का एक कल्चर आ गया था, जिसे एनडीए की सरकार ने खत्म किया

उन्होंने आगे कहा कि वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के बयान के अनुसार, एनपीए में गिरावट आई है और 2025 में यह घटकर 2.58 प्रतिशत तक आ गया है। यह केंद्र सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) को लेकर कहा, "आज से 10 साल पहले एनपीए बहुत ज्यादा था। साथ ही उद्योग सेक्टर में बहुत सारे खाते स्ट्रेस में चले गए थे और एवर-ग्रीनिंग का एक कल्चर आ गया था, जिसे एनडीए की सरकार ने खत्म किया। सरकार ने आईबीसी पेश करने के साथ रिसॉल्यूशन का काम किया। सरकार ने स्ट्रेस में जाती किसी भी कंपनी को उठाने के लिए रिसॉल्यूशन प्लान पेश किया।"

एनपीए से डील करने के लिए सरकार की अप्रोच फोक्स्ड रही, सरकार ने पारदर्शिता के साथ काम किया। जायसवाल ने कहा कि आईबीसी ने फुल डिफॉल्टर्स और प्रमोटर को प्रबंधन से बाहर करने का काम किया। एनपीए से डील करने के लिए सरकार की अप्रोच फोक्स्ड रही। सरकार ने पारदर्शिता के साथ काम किया। केंद्रीय बैंक को लेकर उन्होंने कहा, "आरबीआई ने 'एसेट क्वालिटी रिव्यू' का प्रोविजन पेश किया, जिसकी बैंक में किसी लोन के एनपीए की तरफ बढ़ने को रोकने के लिए अहम भूमिका रही। केंद्रीय बैंक ने ब्रांच स्तर पर भी स्ट्रेस्ड एसेट्स की मॉनीटरिंग करना सुनिश्चित किया। सभी सम्मिलित प्रयासों की बदौलत ही एनपीए में गिरावट दर्ज की गई।"

एनडीए के शासन काल में अब प्राइवेट बैंक के तर्ज पर ही पब्लिक सेक्टर बैंक को तैयार किया जा रहा है पब्लिक सेक्टर बैंक को लेकर हुए सुधार पर जायसवाल ने कहा, "एनडीए के शासन काल में अब प्राइवेट बैंक के तर्ज पर ही पब्लिक सेक्टर बैंक को तैयार किया जा रहा है। बैंक के फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार लाया जा रहा है। पब्लिक सेक्टर बैंक के बिजनेस मॉड्यूल में सुधार लाया जा रहा है। बैंकों की टेक्नोलॉजी अपग्रेड की गई है।" उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि अब लोन देने से पहले रिव्यू किया जाता है। व्यक्ति का पोटेंशियल देखा जाता है। लोन देने से पहले व्यक्ति की पूरी क्रेडिट हिस्ट्री देखी जाती है। इस तरह लोन देने और इसे मॉनिटर करने की प्रक्रिया में बदलाव आया है।

अगले 48 घंटों में दिल्ली-मुंबई सहित कई जगहों पर बारिश का पूर्वानुमान : मौसम विभाग

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई सहित देश के अन्य हिस्सों में बुधवार को बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 48 घंटों में मुंबई, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड समेत अन्य राज्यों में बारिश की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, दिल्ली, मुंबई, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड सहित कई राज्यों में बुधवार को बारिश हुई। अगले 48 घंटों में इन क्षेत्रों में और बारिश की संभावना है। आईएमडी वैज्ञानिक शुभांगी भूटे और नरेश कुमार ने पुष्टि की कि इस सप्ताह इन राज्यों में बारिश जारी रहने की उम्मीद है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग की वैज्ञानिक शुभांगी भूटे ने बताया कि मुंबई के कोंकण क्षेत्र के लिए येलो अलर्ट और पालघर सहित अन्य क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी है। उन्होंने कहा कि गुरुवार को उत्तरी कोंकण के लिए ऑरेंज अलर्ट और दक्षिणी कोंकण के लिए रेड अलर्ट है, जबकि कुछ क्षेत्रों में येलो अलर्ट है। अगले 48 घंटों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए मछुआरों के लिए चेतावनी जारी की गई है।

मुंबई और ठाणे के लिए ऑरेंज अलर्ट, जबकि महाराष्ट्र के रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र समुद्र में मजबूत होने के कारण भारी बारिश की संभावना है। इस सप्ताह अच्छी बारिश की उम्मीद जताई गई है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक नरेश कुमार ने न्यूज़ एजेंसी से बातचीत की। उन्होंने कहा कि एक पश्चिमी विक्षोभ वर्तमान में उत्तर-पश्चिम भारत, विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश को प्रभावित कर रहा है। मानसून की रेखा अपने सामान्य स्थान से उत्तर में है, जिसके कारण बारिश हो रही है।

वहीं, दिल्ली में 24 जुलाई को बारिश जारी रहने की उम्मीद है और येलो अलर्ट जारी किया गया है। जम्मू-कश्मीर के लिए ऑरेंज अलर्ट, जबकि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी अलर्ट है। पंजाब और हरियाणा में तेज बारिश की संभावना है। अगले 48 घंटों में पूर्वी भारत और पश्चिमी तट पर कम दबाव का क्षेत्र सक्रिय होगा, जिससे 12 सेंटीमीटर से अधिक बारिश हो सकती है। मध्य महाराष्ट्र में भी भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

अहमदाबाद मौसम विभाग केंद्र के निदेशक एके दास के अनुसार, 28 जुलाई तक पूरे राज्य में सामान्य बारिश का अनुमान है। 25 से 28 जुलाई तक राज्य के कई इलाकों में भारी बारिश का अनुमान जताया गया है। अमरेली, भावनगर, महिसागर समेत कई हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

बिहार एसआईआर का प्रथम चरण समाप्ति की ओर, 20 लाख मृतक मिले

भारत निर्वाचन आयोग
Election Commission Of India

बिहार (एजेंसी)। बिहार मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का प्रथम चरण समाप्ति की ओर है। चुनाव आयोग का लक्ष्य है कि वोटिंग लिस्ट से कोई योग्य मतदाता छूटने न पाए और कोई अयोग्य मतदाता जुड़ न जाए।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, एसआईआर में अब तक 98.01 प्रतिशत मतदाता कवर किए जा चुके हैं। 20 लाख मृतक मिले, जबकि 28 लाख स्थायी रूप से प्रवास कर चुके मतदाताओं के नाम पाए गए। जहां 7 लाख मतदाताओं के वोट एक से ज्यादा जगहों पर पाए गए, तो वहीं 1 लाख वोटरों का कोई पता नहीं चल पा रहा है। अभी तक 15 लाख मतदाताओं के फॉर्म वापस नहीं मिले हैं। 7.17 करोड़ मतदाताओं यानी 90.89 प्रतिशत के फॉर्म प्राप्त और डिजिटाइज्ड हो चुके हैं।

वहीं, एसआईआर के प्रथम चरण में प्राथमिक तौर पर गलत रूप से सम्मिलित सभी मतदाताओं की सूची और अब तक फार्म न भरने वालों की सूची को बिहार के सभी 12 प्रमुख राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्षों द्वारा नामित 1.5 लाख बूथ लेवल एजेंट्स से 20 जुलाई को साझा किया जा चुका है। बिहार के ऐसे मतदाता जो इस समय अस्थायी रूप से बिहार के बाहर प्रवास कर रहे हैं, और अगर वे कहीं और के मतदाता नहीं बने हैं तो अपना फॉर्म ऑनलाइन वोटर्स डॉट ईसीआई डॉट गॉव डॉट इन या ईसीआईनेट मोबाइल ऐप पर भर सकते हैं या प्रिंट कर सकते हैं। वह अपना प्रिंटेड फॉर्म भरकर अपने परिवार के माध्यम से बीएलओ तक पहुंचा सकते हैं या अपना प्रिंटेड फॉर्म भरकर हस्ताक्षर करके बीएलओ के फोन पर व्हाट्सऐप कर सकते हैं।

गणना फार्म जमा करने वाले मतदाताओं का नाम प्रारूप सूची में सम्मिलित होगा। वोटर मतदाता सेवा पोर्टल पर अपने फॉर्म के भरे जाने की पुष्टि कर सकते हैं। आयोग ने उन सभी मतदाताओं को एसएमएस भेजे जिनके फॉर्म में मोबाइल नंबर दर्ज हैं।

1 अगस्त 2025 को एसआईआर के प्रथम चरण की समाप्ति पर मतदाताओं की प्रारूप सूची प्रकाशित की जानी है। इस प्रारूप सूची में अगर कोई भी त्रुटि है तो कोई भी निर्वाचक या राजनीतिक दल किसी भी प्रस्तावित मतदाता के नाम पर अपनी आपत्ति को 1 सितंबर 2025 तक उस विधान सभा क्षेत्र के ईआरओ या एईआरओ के पास दर्ज करा सकता है। इसी तरह कोई भी योग्य व्यक्ति अगर प्रारूप सूची में अपना नाम नहीं पाता है तो वह अपना दावा 1 सितंबर 2025 तक दर्ज करा सकता है।

गणेश उत्स व के लिए 250 स्पेरशल ट्रेन के लिए 24 जुलाई से होगी बुकिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में गणेश उत्सव के अवसर पर मध्य रेलवे की ओर से विशेष ट्रेनों की घोषणा की गई है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अब तक कुल 250 स्पेशल ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया गया है। ये ट्रेनें 22 अगस्त से 10 सितंबर के बीच चलाई जाएंगी।

मध्य रेलवे के सीपीआरओ स्वप्निल नीला ने मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि हर साल की तरह इस वर्ष गणपति बप्पा् के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए मध्यी रेलवे की तरफ से स्पीशल ट्रेनों की घोषणा की गई है। इस दौरान 250 स्पेशल ट्रेनों के संचालन का फैसला किया गया है। यह सभी गाड़ियां छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, पुणे, सावंतवाड़ी, दिवा सहित विभिन्न स्टेशनों से शुरू होकर कोंकण क्षेत्र की ओर जाएंगी। यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं।

स्वप्निल नीला ने सभी यात्रियों से अपील की है कि वे सभी यात्राएं वैध आरक्षित टिकट के साथ ही करें। इन स्पेशल ट्रेनों के लिए सीट आरक्षण की प्रक्रिया कल गुरुवार से शुरू हो रही है। वहीं, 25 जुलाई को जिन ट्रेनों का संचालन प्रस्तावित है, उनका बुकिंग भी उसी दिन से शुरू होगा। रेलवे की तरफ से यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए गए हैं। हम सभी से अनुरोध करते हैं कि बप्पा का यह उत्सव शांति और सुरक्षा के साथ मनाएं।

स्वप्निल नीला ने बताया कि मध्य रेलवे ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए भूस्खलन रोकने को विशेष उपाय किए हैं, जिनमें घास लगाना, मिट्टी की फिनिशिंग, नेट या जाली लगाना और मजबूत फेंसिंग शामिल हैं। मध्य रेलवे और कोंकण रेलवे दोनों ने ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए तत्परता और प्रतिबद्धता के साथ कदम उठाए हैं। हमारा निरंतर प्रयास है कि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों और यात्रियों की यात्रा पूरी तरह सुरक्षित और सुविधाजनक हो।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

युवाओं का साइबर अपराध में फंसना चिंताजनक

आज का युवा वर्ग वैश्विक सपनों और करियर की ऊंचाईयों को छूने की आकांक्षा रखता है। वह अपने जीवन में सफलता, समृद्धि और सम्मान पाना चाहता है। यह आकांक्षा स्वाभाविक भी है, लेकिन इसी आकांक्षा का फायदा उठाकर वैश्विक स्तर पर सक्रिय साइबर ठगों और ट्रैफिकिंग गिरोहों ने युवाओं को अपने जाल में फंसाना शुरू कर दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अकेले थाईलैंड में 15 हजार से ज्यादा भारतीय युवा फंसे हुए हैं। लाओस, कंबोडिया, वियतनाम और म्यांमार में भी ऐसे 7 हजार से अधिक युवाओं के फंसे होने के आंकड़े सामने आए हैं। इन युवाओं में महाराष्ट्र, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, केरल और जम्मू-कश्मीर के युवाओं की संख्या सबसे अधिक है। हैरानी की बात यह है कि पढ़े-लिखे युवा न सिर्फ इन साइबर ठगों के जाल में फंस रहे हैं, बल्कि बाद में खुद भी उस आपराधिक नेटवर्क का हिस्सा बन जाते हैं।

हैरानी की बात यह है कि इनमें से अधिकतर युवा पढ़े-लिखे और तकनीकी रूप से सक्षम होते हैं, फिर भी वे फर्जी नौकरी के लालच में फंस जाते हैं। उन्हें सोशल मीडिया, टेलीग्राम, व्हाट्सएप ग्रुप्स और फर्जी वेबसाइटों के जरिए आकर्षक वेतन और विदेश में शानदार जिंदगी का सपना दिखाया जाता है।

इस जालसाजी से पढ़े-लिखे युवाओं को बचाना अब बेहद जरूरी हो गया है। विदेश मंत्रालय को ऐसे मामलों की निगरानी के लिए विशेष प्रकोष्ठ बनाना चाहिए, जो विदेशों में फंसे युवाओं की पहचान कर सके और उन्हें वापस लाने में मदद कर सके। इसके साथ ही स्कूल, कॉलेज और आईटीआई स्तर पर फर्जी जॉब ऑफर और ट्रैफिकिंग के खतरों को लेकर नियमित जागरूकता अभियान चलाने की भी जरूरत है। केंद्र और राज्य सरकारों को चाहिए कि युवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर कौशल आधारित रोजगार कार्यक्रमों को प्राथमिकता दें ताकि उन्हें विदेश जाकर जोखिम उठाने की जरूरत न पड़े।

इस समस्या की जड़ में समाज की सोच भी है, जिसमें वैभव और अमीरी को ही सफलता का पैमाना माना जाता है। आज का युवा सिर्फ अपने परिवार की उम्मीदों का बोझ नहीं उठा रहा, बल्कि समाज 'क्या कहेगा' इसका भी दबाव झेल रहा है। पढ़ाई और नौकरी की प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ दूसरों से तुलना की होड़ भी उसे मानसिक रूप से परेशान कर रही है। यह कड़वा सच है कि विवाह जैसे समारोहों में भी युगल के गुणों और स्वभाव से अधिक चर्चा उनकी नौकरी और कमाई पर होती है।

इसी दबाव और बड़ी कमाई के लालच में युवा यह सोचने की भी परवाह नहीं करते कि अचानक विदेश से मिली बड़ी सैलरी वाली नौकरी के पीछे क्या साजिश हो सकती है। माफिया की मंशा और गिरोह की सच्चाई को जाने बिना वे अपने सपनों के पीछे दौड़ पड़ते हैं। ऐसे मामलों में सरकार को सक्रियता दिखानी ही चाहिए, लेकिन युवाओं को सुरक्षित और जागरूक माहौल देना समाज का भी उतना ही बड़ा दायित्व है।

इंकलाब की राह: तू चलता जा, काफिला बनता जाएगा

-विश्वास के बीज से उपजता है इंकलाब का वृक्ष

समाज में बदलाव की हर कहानी एक अकेले व्यक्ति से शुरू होती है। वह व्यक्ति जो भीड़ का इंतजार नहीं करता, न ही परिस्थितियों के अनुकूल होने की प्रतीक्षा करता है। वह बस चलता है, और उसकी यह यात्रा ही आंदोलन बन जाती है।

"तू चलता जा... काफिला बनता जाएगा" — यह पंक्ति केवल प्रेरणा नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का वास्तविक मार्गदर्शन है। इतिहास के पन्नों में झांककर देखिए, हर इंकलाब की शुरुआत अकेली हुई। चाहे महात्मा गांधी का सत्याग्रह हो, भगत सिंह की हुंकार हो या बाबा साहब अंबेडकर की सामाजिक चेतना, ये सभी उदाहरण यही बताते हैं कि जब एक व्यक्ति चलता है, तो उसके पीछे विचारों का मेला लग जाता है।

जब सन्नाटों के बीच कोई आवाज उठती है, जब अंधेरों में कोई अकेला दीपक जलता है, और जब नाउम्मीदी के माहौल में कोई चलने का फैसला करता है वहीं से इंकलाब की राह शुरू होती है।

"तू चलता जा, काफिला बनता जाएगा। यह पंक्ति महज एक प्रेरणादायक जुमला नहीं है यह एक आंदोलन की बुनियाद है। यह उस युग को संबोधित है जहाँ बदलाव की चिंगारी बुझाई नहीं जा सकती, और जहां हर अकेला कदम एक पूरी कौम की उम्मीद बन सकता है।

चलना ही क्रांति हैं जब रास्ता कठिन हो, साथी साथ छोड़ दें, और मंजिल धुंध में खो जाए, तब भी जो आगे बढ़ता है, वही इंकलाब का बीज बोता है। उसकी तन्हाई एक सोच बन जाती है, सोच विचार बनती है, और विचार आंदोलन। वो अकेला यात्री तब एक काफिला बन जाता है।

विश्वास से उपजती है क्रांति

"हमारे दिलों में विश्वास है, इंकलाब जरूर आएगा।"

यही विश्वास किसी भी बदलाव की नींव होता है। सत्ता के गलियारों में चाहे कितनी भी सख्ती हो, अगर जनता के दिलों में उम्मीद बाकी है, तो बदलाव अवश्यंभावी है। इंकलाब को रोका जा सकता है, पर मिटाया नहीं जा सकता।

हर कदम, एक दस्तक

हर कदम सिर्फ एक आंदोलन नहीं, बल्कि एक संदेश है। यह उस जमीर को जगाने की दस्तक है, जो वर्षों से खामोश पड़ा है। जब कोई निडर होकर आगे बढ़ता है, तो डर खुद अपने घुटने टेक देता है।

चलते रहना ही इंकलाब की पहली शर्त है। तू चलता जा, अकेले, निडर, और अडिग।

एक दिन ये तन्हाई, एक संगठित शक्ति में बदल जाएगी।

क्योंकि इंकलाब —

कभी भी भीड़ से नहीं,

किसी एक के चल पड़ने से जन्म लेता है। यदि एक युवा भी यह तय कर ले कि उसे रुकना नहीं है, तो वह न केवल खुद को, बल्कि पूरे समाज को नई दिशा दे सकता है। क्रांति हमेशा भीड़ से नहीं, एक सोच से उपजती है। और जब वह सोच चल पड़ती है, तो इतिहास गढ़ देती है।

तू मत रुक... तू मत झुक... तू बस चलता चल, क्योंकि काफिला वहीं से शुरू होता है, जहां पहला कदम रखा जाता है।

लेखक: किरोड़ी सांकड़ा

दुनिया के सामने अब एआई डिवाइस की नई चिंता: एक व्यापक विश्लेषण

जिस रफ्तार से पूरी दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को अपनाया जा रहा है, उसी तेजी से एआई के कारण वैश्विक असमानता की खाई भी गहराती जा रही है। इससे पहले हम 'डिजिटल डिवाइड' का सामना कर चुके हैं, लेकिन एआई का विभाजन डिजिटल डिवाइड से भी ज्यादा गंभीर और दूरगामी प्रभाव डालने वाला साबित हो रहा है।

1996 में लॉस एंजेलिस टाइम्स की पत्रकार एमी हरमन ने पहली बार 'डिजिटल डिवाइड' शब्द का उपयोग किया था। तब जिनके पास कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा नहीं थी, उन्हें 'हैव नॉट' कहा जाता था और समाज में तकनीकी आधार पर एक विभाजन बन रहा था। आज वही स्थिति एआई डिवाइड के रूप में सामने आई है, लेकिन इस बार मामला और अधिक जटिल और खतरनाक है।

एआई डिवाइड: ताकतवर और वंचित देशों का अंतर:-

अब दुनिया एआई युग में प्रवेश कर चुकी है, लेकिन यह युग दो हिस्सों में बंटा हुआ है। एक ओर वे देश हैं, जिनके पास एआई की अत्याधुनिक प्रणाली बनाने के लिए कंप्यूटिंग पावर, डेटा सेंटर और रिसर्च संसाधन हैं, दूसरी ओर वे देश हैं, जिनके पास न तो संसाधन हैं और न ही एआई तकनीक तक पहुंच।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार टेक्सास में ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन, 60 बिलियन डॉलर की लागत से दुनिया का सबसे बड़ा एआई डेटा सेंटर बना रहे हैं। यह केंद्र न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क से भी बड़ा होगा। इसमें प्राकृतिक गैस संयंत्र और सुपर कंप्यूटिंग सुविधा शामिल है। इस केंद्र के अगले वर्ष तक पूरा होने की संभावना है और यह एआई के क्षेत्र में अमेरिका की शक्ति को और बढ़ा देगा।

वहीं दूसरी ओर अर्जेंटीना के नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ कॉर्डोबा के प्रोफेसर निकोलस वोलोविक, एक छोटे से कमरे में पुराने सर्वर और चिप्स के साथ अपने देश का सबसे उन्नत एआई केंद्र चला रहे हैं। वे चिंतित हैं कि दुनिया आगे निकल रही है और उनके जैसे देश पीछे छूट रहे हैं।

यह असमानता सिर्फ तकनीकी नहीं, भू-राजनीतिक और आर्थिक भी:-

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का कहना है कि अमेरिका, चीन और यूरोपीय संघ के पास दुनिया के सबसे शक्तिशाली एआई डेटा सेंटरों का बड़ा हिस्सा है। वैश्विक स्तर पर लगभग 90 प्रतिशत एआई डेटा सेंटर अमेरिका और चीन की कंपनियों द्वारा स्थापित किए गए हैं। दुनिया में केवल 32 देशों के पास ही ऐसे एआई डेटा सेंटर हैं, जो कुल देशों का महज 16 प्रतिशत है।

यह कंप्यूटिंग पावर का असमान वितरण भविष्य में भू-राजनीतिक संतुलन को बिगाड़ सकता है। जैसे तेल उत्पादक देशों ने वैश्विक राजनीति में दबदबा बनाया था, उसी तरह एआई कंप्यूटिंग पावर पर नियंत्रण रखने वाले देश भविष्य में विश्व राजनीति में गहरी पकड़ बना सकते हैं। कई विशेषज्ञों का मानना है कि "एआई पर कब्जा ही विश्व विजय" की नई परिभाषा बन जाएगा।

वैश्विक स्तर पर एआई टेक्नोलॉजी की दौड़:-

एआई अब सॉफ्ट पावर और हार्ड पावर दोनों का मिश्रण बन चुकी है। अमेरिका और चीन में एआई रिसर्च और निवेश पर अरबों डॉलर खर्च हो रहे हैं। यूरोप डेटा सुरक्षा को लेकर सख्त नियम लागू कर रहा है, जबकि भारत जैसे देश एआई का उपयोग सेवाओं के डिजिटलीकरण में कर रहे हैं।

लेकिन इस दौड़ में छोटे और गरीब देश पिछड़ रहे हैं। उनकी तकनीकी निर्भरता अमीर देशों पर बढ़ रही है। इसका परिणाम यह है कि भविष्य में एआई का नियंत्रण कुछ देशों और कंपनियों के हाथ में केंद्रित हो जाएगा, जो बाकी देशों की नीतियों और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं।

एआई विभाजन के खतरे:-

आर्थिक असमानता बढ़ेगी: जिन देशों के पास एआई तकनीक होगी, वे तेज विकास करेंगे। अन्य देश और पीछे चले जाएंगे।

रोजगार संकट: जिन देशों में एआई का विकास नहीं होगा, वहां पुरानी तकनीकों पर आधारित रोजगार तेजी से खत्म होंगे, लेकिन नए रोजगार उत्पन्न नहीं हो पाएंगे।

डेटा का नियंत्रण: कुछ देशों और कंपनियों के पास डेटा का विशाल भंडार होगा, जिससे उनकी बाजार और राजनीतिक पकड़ मजबूत होगी।

साइबर खतरे: जिन देशों में एआई सुरक्षा तकनीक नहीं होगी, वे साइबर हमलों और एआई आधारित युद्ध तकनीकों का आसान शिकार बन सकते हैं।

नैतिक और कानूनी चुनौतियां: एआई के दुरुपयोग पर नियंत्रण कर पाना कमजोर देशों के लिए कठिन होगा।

भारत की स्थिति:-

भारत एआई की क्षमता को पहचान चुका है और कई क्षेत्रों में एआई का उपयोग शुरू कर चुका है। स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और न्याय व्यवस्था में एआई को शामिल करने के लिए पायलट प्रोजेक्ट चल रहे हैं। भारत ने एआई को लेकर "राष्ट्रीय एआई रणनीति" बनाई है, लेकिन अभी भी सुपर कंप्यूटिंग पावर और रिसर्च के मामले में अमेरिका और चीन से पीछे है।

भारत की सबसे बड़ी चुनौती डेटा सुरक्षा और बुनियादी ढांचे की कमी है। अगर एआई के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता नहीं बढ़ाई गई, तो भारत वैश्विक एआई डिवाइड में और पीछे जा सकता है।

समाधान की दिशा:-

इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश बढ़ाना: एआई के लिए डेटा सेंटर, सुपर कंप्यूटिंग हब और हाई-स्पीड इंटरनेट की सुविधा विकसित करनी होगी।

एआई रिसर्च को बढ़ावा देना: विश्वविद्यालयों और रिसर्च सेंटरों में एआई पर विशेष कोर्स और फंडिंग देनी होगी।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग: छोटे और मध्यम देशों को तकनीकी ज्ञान और संसाधनों तक पहुंच बनाने के लिए सहयोगी वैश्विक नीति की आवश्यकता है।

नैतिक एआई विकास: एआई के विकास में नैतिकता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की जरूरत है ताकि इसका दुरुपयोग न हो।

डेटा सुरक्षा कानून: नागरिकों की गोपनीयता और डेटा की सुरक्षा के लिए मजबूत कानून लागू करना जरूरी है।

एआई साक्षरता: आम लोगों में एआई साक्षरता और इसके उपयोग की जागरूकता बढ़ाना भी जरूरी है।

एआई डिवाइस और नए संकट:-

एआई के कारण डेटा निगरानी और निजता की समस्या भी बढ़ गई है। स्मार्टफोन, स्मार्ट होम डिवाइस और वियरेबल्स के जरिए एआई हमारे व्यवहार, पसंद और आदतों पर डेटा इकट्ठा कर रहा है। यह डेटा ताकतवर कंपनियों और देशों के लिए नया तेल बन गया है, जिससे वे उपभोक्ताओं की गतिविधियों को नियंत्रित कर सकते हैं।

एआई को लेकर संतुलन जरूरी:-

एआई तकनीक में संभावनाओं की कोई कमी नहीं है। यह शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और उद्योग में क्रांति ला सकती है। लेकिन यह तकनीक दुनिया को दो हिस्सों में बांट रही है—एक जिसके पास एआई की ताकत है और दूसरा जो इसके बिना है। यदि इस असमानता को कम करने के प्रयास नहीं किए गए, तो एआई डिवाइड आने वाले वर्षों में वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक व्यवस्था को अस्थिर कर देगा।

दुनिया को यह समझने की जरूरत है कि एआई विकास में 'समावेशिता' को प्राथमिकता दी जाए। अमीर और शक्तिशाली देशों को कमजोर देशों के साथ तकनीकी सहयोग करना होगा ताकि एआई का लाभ पूरी मानवता तक पहुंचे। तभी एआई मानव कल्याण के लिए वरदान बन सकेगा, अन्यथा यह वैश्विक असमानता और संकट का कारण बन जाएगा।

इस्लाम में माँ-बाप का मुक़द्दस मक़ाम

आज की दुनिया में इंसान तेज़ी से खुदगर्ज़ बनता जा रहा है। हर कोई अपने लिए सोचता है, अपने लिए दौड़ता है, और बहुत बार इस भागदौड़ में वो अपने सबसे अज़ीज़ रिश्तों को भूल जाता है, माँ-बाप को। लेकिन इस्लाम एक ऐसा मज़हब है जो इंसान को सिखाता है कि सबसे पहले उन लोगों की कद्र करो जिन्होंने तुम्हें दुनिया में लाने का ज़रिया बनाया यानी तुम्हारे माँ-बाप।

कुरान की रौशनी में माँ-बाप का दर्जा

कुरान पाक में अल्लाह तआला फरमाता है:

"तुम्हारे रब ने हुक्म दिया है कि उसके सिवा किसी की इबादत ना करो और माँ-बाप के साथ अच्छा बर्ताव करो। अगर उनमें से कोई एक या दोनों बुढ़ापे को पहुँच जाएँ तो उनको 'उफ़' तक ना कहो और ना ही उन्हें झिड़को, बल्कि उनसे नरमी से बात करो।": (सूरह बनी इस्राईल 17:23)

ये आयत हमें बताती है कि माँ-बाप के साथ कैसा सुलूक करना चाहिए चाहे वो बुढ़ापे में हों या जवान, हमें उनसे नर्मी से पेश आना चाहिए।

हदीसों में माँ-बाप का ज़िक्र

पैगंबर हज़रत मुहम्मद ने फरमाया: "जन्नत माँ के कदमों के नीचे है।" (मुस्लिम)

इसका मतलब ये है कि अगर इंसान अपनी माँ की खिदमत करता है, उसकी इज़्ज़त करता है, तो जन्नत उसका इनाम हो सकती है।

एक और हदीस में आया है: "जिसने अपने माँ-बाप में से किसी एक को या दोनों को बुज़ुर्गी की उम्र में पाया और फिर भी (उनकी खिदमत करके) जन्नत हासिल ना कर सका, तो उस पर अफ़सोस है।"

यहाँ साफ़ कहा गया है कि माँ-बाप की खिदमत करने का मौका मिलना एक नेमत है और अगर इंसान इसे गँवा दे, तो उस से ज़्यादा बदनसीब कोई नहीं।

माँ-बाप का हमारे जीवन में किरदार

माँ-बाप ही वो लोग होते हैं जो हमारी परवरिश करते हैं। जब हम कुछ नहीं जानते, न चलना आता है, न बोलना वही हमें हर चीज़ सिखाते हैं। माँ हमें दूध पिलाती है, बुख़ार में रात-रात जागती है, और बाप धूप में मेहनत करके हमें रोटी खिलाता है। क्या ऐसे लोगों को भूल जाना इंसानियत है?

माँ-बाप की दुआ और अहमियत

कहते हैं कि माँ-बाप की दुआओं में बहुत ताक़त होती है। वो दिल से दुआ देते हैं, और अल्लाह उनकी दुआओं को जल्दी कबूल करता है। एक बाप की खामोश मेहनत और एक माँ की ममता, बच्चे की तरक्की की नींव होती है।

आज का दौर और माँ-बाप की अहमियत

आजकल की दुनिया में सोशल मीडिया, वीडियो गेम्स और भागदौड़ ने बच्चों को माँ-बाप से दूर कर दिया है। बच्चे मोबाइल में मशगूल रहते हैं, और माँ-बाप तन्हा रह जाते हैं। कई बुज़ुर्ग माँ-बाप तो ऐसे भी हैं जिनकी देखभाल कोई नहीं करता। उन्हें ओल्ड एज होम में छोड़ दिया जाता है ये अफ़सोसनाक सूरत-ए-हाल है। इस्लाम इस रवैये को सख़्त नापसंद करता है। इस्लाम कहता है कि जैसे तुम्हारे माँ-बाप ने तुम्हारी परवरिश की, वैसे ही तुम उनके बुढ़ापे में उनकी सेवा करो।

माँ-बाप के साथ अच्छा सुलूक करें

नर्मी से बात करें, कभी ऊँची आवाज़ में ना बोलें।

वक़्त दें, मोबाइल से ज़्यादा ज़रूरी उनके साथ बैठना है।

दुआ करें, हमेशा उनकी सलामती की दुआ माँगें।

उनकी खिदमत करें, उनके लिए खाना बनाना, दवाई देना, साथ बैठना ये सब इबादत का दर्जा रखता है।

शुक्रगुज़ार बनें, हमेशा एहसानमंद रहें कि उन्होंने आपको इतनी मेहनत से बड़ा किया।

बच्चों को सिखाएँ माँ-बाप की अहमियत

अगर आप माँ-बाप हैं, तो ये आपकी जिम्मेदारी है कि आप अपने बच्चों को बचपन से ही माँ-बाप की इज़्ज़त करना सिखाएँ।

कहानियाँ सुनाएँ, पैग़म्बरों और नेक लोगों की कहानियाँ जिनमें माँ-बाप की खिदमत का ज़िक्र हो।

खुद मिसाल बनें, जैसा आप अपने माँ-बाप से पेश आते हैं, बच्चा वो देखकर सीखता है।

धैर्य रखें, बच्चों को समझाना वक़्त लेता है, लेकिन मेहनत ज़रूर रंग लाती है।

इस्लाम में माँ-बाप का मुक़ाम बहुत ऊँचा है। उनके लिए की गई छोटी-सी खिदमत भी अल्लाह की नज़र में बहुत बड़ा अमल है। अगर हम चाहते हैं कि हमारी ज़िंदगी में बरकत हो, दिलों में सुकून हो और जन्नत हासिल हो तो हमें अपने माँ-बाप की इज़्ज़त, सेवा और दुआओं की क़द्र करनी चाहिए।

कुदरत की ख़ूबसूरती: अल्लाह की नेअमत

कुदरत की ख़ूबसूरती इंसान के लिए अल्लाह तआला की सबसे अज़ीम नेअमतों में से एक है। अल्लाह ने इस कायनात को न सिर्फ़ हमारे जिस्मानी वजूद के लिए, बल्कि हमारी रूही और ज़हनी सुकून के लिए भी पैदा किया है। अल्लाह की हर तख़लीक़ में एक ऐसी हुस्न व खूबसूरती है जो किसी भी इंसानी बनाई हुई चीज़ से बेहतर और बेनज़ीर है। यह अल्लाह की मर्ज़ी है कि इस दुनिया में इंसान की ज़िंदगी यादगार बने। ताकि इंसान अल्लाह का शुक्र अदा करे और उसके आगे आज़िज़ी के साथ झुके। अल्लाह की हर तख़लीक़ इस बात का सबूत है कि अल्लाह को ख़ूबसूरती पसंद है और वह चाहता है कि हम भी इस ख़ूबसूरती की अहमियत को समझें। चलती हुई नदियाँ, आसमान का नीलापन, समंदरों की गहराइयाँ, ऊँचे पहाड़, उड़ते परिंदे, समंदर की मख़लूक़ात, जंगलों की रहस्यमयी दुनिया, सूखा रेगिस्तान और उसकी गोद में छुपे हुए हरियाली के चश्मे, यह सब इंसान के दिल को सुकून देने के लिए हैं। जहाँ भी इंसान अपनी निगाहें घुमाता है, वहां उसे कुदरत की हुस्न-ओ-जमाल की झलक दिखती है। अगर ये दिलकश मंजर न होते, तो इंसान की ज़िंदगी बेजान और फीकी होती।

सूरज का निकलना और फूलों का खिलना

सोचिए, जब सूरज सुबह के वक़्त अपने सुनहरी रंगों के साथ आसमान में निकलता है, तो कैसे पूरी कायनात में ताज़गी भर देता है। उसका नूर हमें न सिर्फ़ उठाता है, बल्कि हमारे अंदर एक नई जान डाल देता है। सूर्योदय और सूर्यास्त का मंजर लाखों लोगों को पहाड़ों और समंदर के किनारे खींच लाता है। सिर्फ़ इसलिए कि वो इन नज़ारों को देख कर अपने परेशान दिलों को सुकून दें। सूरज के साथ ही तरह-तरह के फूल खिलते हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि इतने रंग-बिरंगे फूल क्यों हैं? ये सुर्ख़, पीले, नारंगी, सुनहरे और बैंगनी रंग के फूल — गुलाब, चमेली, ऑर्किड, मैगनोलिया — क्या ये बेमक़सद उग आए हैं? जंगलों और रेगिस्तानों में भी जंगली फूल मुसाफ़िरों को रौशनी और ज़िंदगी का अहसास देते हैं।

क़ुदरत से मिली राहत और शुक्रगुज़ारी

क्या इंसान को अपने इर्द-गिर्द मौजूद इन हसीन साथियों से ख़ुशी नहीं मिलती? क्या उसे अपने रब का शुक्र अदा नहीं करना चाहिए जिसने ये सब बे-हिसाब नेअमतें बग़ैर किसी कीमत के अता कीं?

जरा सोचिए, अगर दुनिया में दरख़्त और पौधे न होते तो क्या होता? अल्लाह ही है जिसने इस हरियाली को दुनिया के कोने-कोने में फैला दिया — छोटे-छोटे झाड़ियों से लेकर बड़े-बड़े दरख़्तों तक। ये हमें न सिर्फ़ खाना और छाँव देते हैं, बल्कि आँखों को सुकून देने वाला मंजर भी देते हैं। ज़रा सोचिए अगर हर तरफ़ सिर्फ़ भूरापन होता और हरियाली न होती तो कैसी होती ज़िंदगी?मगर अफ़सोस की बात है कि आज का इंसान इतना खुदगर्ज़ और लापरवाह हो गया है कि वो इन्हीं नेअमतों को काटता और तबाह करता जा रहा है। क्या वह खुद अपनी तबाही की तरफ़ नहीं बढ़ रहा?

परिंदे और रंग-बिरंगे मख़लूक़ात

परिंदे, मधुमक्खियाँ, तितलियाँ और दूसरी मख़लूक़ात हमारे माहौल को और भी खूबसूरत बनाते हैं। सोचिए, अल्लाह ने इतने रंग-बिरंगे और हसीन परिंदे क्यों बनाए? अगर आप कभी किसी पक्षी उद्यान जाएँ, तो समझ में आएगा कि अल्लाह ने इंसान की सौंदर्य की चाहत को पूरा करने के लिए कितनी नाज़ुक और खूबसूरत चीज़ें बनाई हैं। ये परिंदे इतने अच्छे तालमेल और रंगों की तासीर के साथ बनाए गए हैं कि इंसान को यकीन आ जाए कि अल्लाह वाक़ई रहमतों वाला और मेहरबान है। जानवर, चाहे छोटे हों या बड़े, हमारी कायनात को और भी रोशन कर देते हैं। क्या आपने कभी सोचा कि ज़मीन पर घूमते ये विशाल हाथी और समंदर में तैरते विशाल व्हेल किसने बनाए? क्या वो अल्लाह के तख़लीक़ी अजूबे नहीं हैं?

पानी और समंदर

हमारे पास मौजूद पानी के ज़राए, नदियाँ, झरने और समंदर ये सिर्फ़ ज़रूरत की चीज़ें नहीं, बल्कि सुकून और हुस्न का ज़रिया भी हैं। झरनों की रवानगी इंसान के दिल को तसल्ली देती है। नीला समंदर और बहती नदियाँ अपने आप में एक हुस्न की मिसाल हैं। समंदर की लहरों को घंटों तक देखा जा सकता है। जैसे अल्लाह ने इनसे अपने हुस्न की झलक दुनिया को दी हो।

क़ुरआन की नसीहत

अल्लाह ने क़ुरआन में इरशाद फ़रमाया:

"बेशक आसमानों और ज़मीन की तख़लीक़ में और रात-दिन के आने-जाने में अक़्लमंद लोगों के लिए निशानियाँ हैं।"

(क़ुरआन 3:190)

यानी जो लोग अक़्ल और दिल से सोचते हैं, वो इन तमाम नेअमतों में अल्लाह की कुदरत को पहचानते हैं। सोचिए अगर यह दुनिया एक रंगहीन, सूखा, बेजान रेगिस्तान होती तो क्या हम ऐसी कोई बात पढ़ रहे होते? क्या हम इतना सुकून पा रहे होते? अल्लाह ने इस कायनात को हमारे लिए नायाब हुस्न और सुकून का ज़रिया बनाया है और यह हम पर फ़र्ज़ है कि हम इस नेअमत की कद्र करें, इसका हिफ़ाज़त करें और अपने रब का शुक्र अदा करें।

दूसरों का एहतराम करना

हर इंसान ये जानता है कि जब लोग तालीमयाफ्ता, मोहज़्ज़ब, और पुरसुकून ज़िंदगी जीते हैं, तो ये अल्लाह का बड़ा करम होता है और इसके लिए उसका शुक्र अदा करना चाहिए। मगर ये भी याद रखना ज़रूरी है कि ज़ुल्म, नाइंसाफी और बेरुख़ी जैसी बातें आज भी हमारे समाज में किसी छुपे हुए वायरस की तरह मौजूद हैं। इन्हें रोकने के लिए हमें जागरूक रहना होगा, ताकि हमारा समाज बुराई और ताशद्दुद (हिंसा) से बचा रहे। अल्लाह तआला ने हमें एक बहुत ही प्यारी बात सिखाई है। कुरआन में है: "और लोगों से अच्छी बात कहो..." (सूरह बकरह 2:83)। इसका मतलब ये है कि जब भी किसी से बात करो, तो नरमी, मोहब्बत और अदब से बात करो। उन्हें ऐसे मशवरे दो जो उनके लिए फायदेमंद हों। जैसे-जैसे लोग ज़्यादा मोहज़्ज़ब होते जाते हैं, वैसे-वैसे वो एक-दूसरे से ज़्यादा इज़्ज़त और नरमी की उम्मीद करते हैं। इसलिए हमें चाहिए कि जो लफ़्ज़ हम बोलें, जो रवैया अपनाएं, वो दूसरों के दिल को ठेस न पहुँचाए। एक सुनहरी उसूल है "जिस तरह हम चाहते हैं कि लोग हमारे साथ पेश आएं, वैसे ही हमें भी दूसरों से पेश आना चाहिए।" अगर हम इस उसूल पर अमल करें, तो बहुत सी समाजी परेशानियाँ खुद-ब-खुद दूर हो जाएंगी। पैग़म्बर हज़रत मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) ने फ़रमाया: "तुम में से कोई सच्चा मोमिन नहीं हो सकता, जब तक कि वह अपने भाई के लिए वही न चाहे, जो अपने लिए चाहता है।"

हर इंसान की एक अंदरूनी चाहत होती है कि कोई उसे माने, उसकी तारीफ़ करे, उसकी क़द्र करे और उसकी परवाह करे। एक मशहूर कहावत है: "हर इंसान के माथे पर लिखा है – मुझे तवज्जो दो और मुझे नज़रअंदाज़ मत करो।"

दूसरों का एहतराम करने के कुछ तरीके ये हैं:

जिससे मिलो उसे सलाम करो, मुस्कराकर बात करो, हाल-चाल पूछो, अगर गलती हो जाए तो माफ़ी माँगो, तकलीफ में मदद के लिए आगे आओ, अच्छे काम की तारीफ करो वगैरह।

मेरे प्यारे बेटों और बेटियों, घमंड से बचो। कभी भी किसी को छोटा मत समझो, किसी को नज़रअंदाज़ मत करो। एक कहावत है:

घमंडी इंसान उस शख़्स की तरह होता है

जो पहाड़ की चोटी पर खड़ा हो

वो लोगों को छोटा देखता है,

और लोग भी उसे छोटा ही देखते हैं।

घमंड से लोग एक-दूसरे से नफ़रत करने लगते हैं। लेकिन हमारा मज़हब हमें सिखाता है कि हम एक-दूसरे की इज़्ज़त करें और एक-दूसरे की फिक्र करें। हमें खुद अपने अंदर भी एहतराम का जज़्बा पैदा करना चाहिए, तभी हम दूसरों की क़द्र करना सीख पाएंगे। हमें सबसे पहले अपने वालिदैन, उस्ताद, बुज़ुर्ग, नेक और खिदमत करने वाले लोगों की इज़्ज़त करनी चाहिए। पैग़म्बर (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) ने फ़रमाया: "वो हम में से नहीं, जो हमारे बुज़ुर्गों की इज़्ज़त नहीं करता, हमारे छोटों पर रहम नहीं करता और हमारे आलिमों (विद्वानों) का मर्तबा नहीं पहचानता।" एक और हदीस में है: "अल्लाह की ताज़ीम का हिस्सा है कि बुज़ुर्ग मुसलमान की, हाफिज़-ए-कुरआन की (जो सही पढ़े और याद रखे), और इंसाफ़ करने वाले हाकिम की इज़्ज़त की जाए।"

1.जो शख़्स चाहता है कि लोग उसकी इज़्ज़त करें, उसे भी सबके साथ अच्छे अख़लाक और बरताव से पेश आना चाहिए। एक शरीफ़ और नेकी पसंद इंसान सबके साथ बराबरी, सब्र और समझदारी से पेश आता है। ऐसा इंसान सबका चहेता बन जाता है।

2.लोगों की इज़्ज़त का मतलब है कि हम उनकी मेहनत, उनके फैसले और उनकी पसंद को भी माने, जब तक वो शरीअत के खिलाफ न हो।

3.जब भी बात करो, ऐसे लफ़्ज़ इस्तेमाल करो जो तुम्हारी अच्छी परवरिश और तहज़ीब को दिखाएं। गंदे और नीच शब्दों से हमेशा दूर रहो।

4.किसी को तंग न करो, बुरा बर्ताव न करो।

हरित राजस्थान की ओर बढ़ता कदम: भजनलाल सरकार की पर्यावरणीय क्रांति

- भजनलाल शर्मा की सोच: हरियाली के जरिए सतत विकास का संकल्प

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की पहचान लंबे समय तक एक रेगिस्तानी और जल-संकटग्रस्त राज्य के रूप में रही है, लेकिन अब इस छवि को बदलने का संकल्प मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लिया है। उनका नेतृत्व पर्यावरणीय चेतना को केवल नीति तक सीमित नहीं रख रहा, बल्कि उसे जन-आंदोलन का रूप दे रहा है। हरियाली, जल संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास अब राजस्थान की शासन प्राथमिकताओं में शीर्ष पर हैं।

राजस्थान का पहला ग्रीन बजट: विकास और पर्यावरण का संतुलन

भजनलाल सरकार ने 2025-26 के लिए प्रदेश का पहला ग्रीन बजट पेश कर एक ऐतिहासिक शुरुआत की है। इस बजट में राज्य के कुल स्कीम खर्च का 11.34 प्रतिशत, यानी 27,854 करोड़ रुपये ग्रीन ग्रोथ से जुड़ी परियोजनाओं के लिए निर्धारित किए गए हैं। सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक राज्य संयुक्त राष्ट्र के सस्टेनेबल डवलपमेंट गोल्स को हासिल करे। इसके लिए जलवायु अनुकूलन की पांच वर्षीय योजना तैयार की जा रही है और एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर क्लाइमेट चेंज की स्थापना की जाएगी, जिससे पर्यावरणीय शोध और नीति निर्माण को मजबूती मिलेगी।

हरियालो राजस्थान अभियान: एक जन आंदोलन बना पर्यावरण मिशन

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेते हुए राज्य सरकार ने 'हरियालो राजस्थान' महाअभियान शुरू किया है। पिछले मानसून में 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं और इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

यह अभियान केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे जुड़े 'मातृ वन' और 'स्मृति वन' जैसी संकल्पनाएं इसे एक भावनात्मक आंदोलन बना रही हैं। हर जिले में आमजन की भागीदारी से मातृ वन बनाए जा रहे हैं, जहाँ नागरिक अपने परिजनों की स्मृति में वृक्ष लगाकर पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इस अभियान को डिजिटल रूप से ट्रैक करने के लिए 'हरियालो राजस्थान' मोबाइल ऐप भी विकसित किया गया है।

नवीन ऊर्जा में आत्मनिर्भरता: किसान बना ऊर्जा उत्पादक

राज्य में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में रिकॉर्ड प्रगति हुई है। भजनलाल सरकार के कार्यकाल में 1190 मेगावाट की क्षमता वाले 592 सौर संयंत्र लगाए गए हैं। ये संयंत्र कुसुम योजना के तहत किसानों द्वारा स्वयं अथवा डेवलपर के साथ साझेदारी में स्थापित किए गए हैं, जिससे किसान अब अन्नदाता के साथ-साथ ऊर्जादाता भी बन गए हैं। इन संयंत्रों से उत्पादित बिजली महज ढाई से तीन रुपये प्रति यूनिट में डिस्कॉम्स को मिल रही है, जो थर्मल बिजली की तुलना में बेहद सस्ती और प्रदूषणरहित है। यह योजना न केवल किसानों की आय बढ़ा रही है, बल्कि ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भी बड़ा कदम है।

जल संरक्षण में अभिनव प्रयास: कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान

राजस्थान के परंपरागत जल-स्रोतों की संस्कृति को पुनर्जीवित करने के लिए 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान की शुरुआत की गई है। यह पहल उन प्रवासी राजस्थानियों को उनके गाँवों से जोड़ रही है, जो देश-विदेश में बस चुके हैं लेकिन अपनी मातृभूमि के प्रति जुड़ाव बनाए रखना चाहते हैं। इस अभियान के तहत प्रवासीजन रिचार्ज शाफ्ट और जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण में आर्थिक और तकनीकी सहयोग दे रहे हैं। भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देने वाली इन संरचनाओं के माध्यम से गिरते भूजल स्तर को सुधारने की दिशा में सार्थक प्रयास हो रहे हैं। अभियान के अंतर्गत अगले चार वर्षों में 45 हजार जल संरचनाएं बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जिनमें से हजारों पर कार्य शुरू हो चुका है।

तकनीकी शिक्षा राष्ट्र विकास की संवाहक बने- राज्यपाल

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल एवं एमबीएम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने बुधवार को विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को उपाधियाँ एवं स्वर्ण पदक प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में तकनीकी शिक्षा की भूमिका का स्मरण कराते हुए कहा कि शिक्षा केवल औपचारिक डिग्री तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह समाज एवं देश के प्रति दायित्व बोध का माध्यम बने।

राज्यपाल बागडे ने युवाओं का आह्वान किया है कि वे तकनीकी ज्ञान को 'रोजगार' तक सीमित न रखें, बल्कि 'राष्ट्र पहले' की भावना से नवाचार, उद्यम और जनकल्याण में इसका प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि नवगठित एमबीएम विश्वविद्यालय ने अल्प समय में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-उषा) के तहत स्वीकृत 20 करोड़ की राशि, पेट्रोलियम इंजीनियरिंग विभाग की स्थापना, एआई एवं डेटा साइंस जैसे आधुनिक पाठ्यक्रम, 5जी स्पेक्ट्रम लैब तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इसके उदाहरण हैं।

राज्यपाल ने छात्राओं की उल्लेखनीय भागीदारी को महिला सशक्तिकरण की दिशा में सकारात्मक संकेत बताया। उन्होंने विश्वविद्यालय की 'विद्यादान' परंपरा को शिक्षा के सर्वसुलभिकरण की दिशा में अनुकरणीय पहल बताया।

इस अवसर पर कुल 717 स्नातक (जिसमें 32 बी.आर्किटेक्चर एवं 30 एमसीए), 117 स्नातकोत्तर, 07 पीएचडी उपाधियाँ और 16 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि तकनीकी शिक्षा न केवल व्यक्तिगत विकास बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय उन्नति का माध्यम है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति नवाचार की जननी है और उन्हें चाहिए कि वे केवल डिग्री तक सीमित न रहकर नवाचार करें, स्वरोजगार अपनाएं और अन्य युवाओं को भी प्रेरित करें। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता कुलगुरु प्रो. डॉ. अजय कुमार शर्मा ने की।

विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने किया बालिका छात्रावास का औचक निरीक्षण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने बुधवार को राजसमंद जिले की राजकीय जनजाति बालिका महाविद्यालय छात्रावास, चंद्रदीप कॉलोनी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास में निवासरत छात्राओं से संवाद कर व्यवस्थाओं की विस्तार से जानकारी ली।

उन्होंने अन्य मूलभूत आवश्यकताओं जैसे मेस, भोजन की गुणवत्ता, मीनू, कक्षा-कक्षों की स्थिति, साफ-सफाई सहित अन्य सुविधाओं की पूर्ति के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया और कहा कि छात्राओं को बेहतर एवं सम्मानजनक वातावरण देना विभाग की प्राथमिकता है। साथ ही, मंत्री खराड़ी ने छात्राओं से अध्ययन को लेकर भी चर्चा की।

मंत्री खराड़ी ने कहा कि राज्य सरकार जनजाति अंचल के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, पेयजल, सड़क, बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ सामाजिक सशक्तिकरण और सांस्कृतिक संरक्षण की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। विशेष रूप से जनजातीय छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित छात्रावास और पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से जनजाति समाज को मुख्यधारा से जोड़ने और उनके जीवन स्तर में सुधार लाने का प्रयास किया जा रहा है।

IAS में प्रमोशन के लिए 4 नाम होंगे चयनित

जयपुर। इसे लेकर बुधवार को दिल्ली में हुई UPSC में चयन समिति की बैठक, मुख्य सचिव सुधांश पंत हुए बैठक में शामिल। बुधवार को हुए दस अधिकारियों के इंटरव्यू, लेखा सेवा से अमिता शर्मा, जल संसाधन सेवा से अनिल अंबेश, सहकारिता सेवा से भोमाराम, PHED से भूपेंद्र सिंह देथा, परिवहन सेवा से धर्मेंद्र कुमार, कृषि विपणन से केशर सिंह, सांख्यिकी सेवा से मुकेश मीणा, नरेंद्र कुमार मेघनानी, नरेश कुमार गोयल और नीतीश शर्मा का हुआ इंटरव्यू, कल भी 10 अधिकारियों के होंगे इंटरव्यू, चिकित्सा सेवा से डॉ. पूनम प्रसाद, परिवहन सेवा से प्रवीणा चारण, कृषि सेवा से राजेन्द्र सिंह, विधि सेवा से रमजान अली, कृषि सेवा से राशिद खान, PWD सेवा से संगीत कुमार, सहकारिता सेवा से शुधोधन उज्ज्वल, कॉलेज शिक्षा से श्यामसुंदर ज्यानी, लेखा सेवा से सुरेश वर्मा, आईटी व संचार सेवा से योगेंद्र कुमार जैन के सुबह 10.30 बजे से होंगे इंटरव्यू, समिति की सिफारिश के आधार पर होगा IAS में प्रमोशन के लिए 4 नामों का चयन, जिसे केंद्रीय कैबिनेट समिति और राज्य सरकार के अनुमोदन के बाद आदेश होंगे जारी।

आयकर छापेमारी में पकड़ी 1 करोड़ की नकदी

जयपुर। अब और मिली नकदी गिन रहे आयकर अधिकारी छापेमारी में मिले कई दस्तावेज, जयपुर में प्रॉपर्टी कारोबारी के आयकर छापे का मामला सैनी प्रॉपर्टी के लक्ष्मी नारायण सैनी के कार्यालय पर पड़ा छापा, एक बड़े प्रॉपर्टी सौदे में होने वाले कैश लेनदेन पर अधिकारियों ने की कार्रवाई। गोपालपुरा मोड़ के पास त्रिवेणी सर्किल पर है सैनी प्रॉपर्टी का कार्यालय, अब प्रॉपर्टी खरीदने व बेचने वाले भी विभाग के रडार पर आयकर विभाग की अन्वेषण शाखा कर रही छापेमारी, कुछ और बड़े खुलासे होने की भी है उम्मीद।

नगर निगम ग्रेटर द्वारा 311 गडढों की मरम्मत की गई

-महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने मानसून में गडढों की मरम्मत करने के दिये थे निर्देश

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर द्वारा सोमवार को हुई बैठक में दिये गये निर्देश में अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता द्वारा दो दिवस में नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में स्थित निगम की सड़कों पर हो रहे 311 गड्ढों की मरम्मत की गई।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में स्थित निगम की सड़कों पर हो रहे गड्ढों को तीन दिवस के अंदर मरम्मत कराने के निर्देश दिए थे जिससे बुधवार को नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में 311 गडढों को भरवाया गया साथ ही दो दिवस तक लगातार सभी अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता फील्ड में रहें व स्थितियों का जायज़ा लेकर सड़कों में मिलने वाले गड्ढों को तत्काल मरम्मत करवाया गया।

महापौर ने बताया कि दो दिवस में मुरलीपुरा जोन में 32, विद्याधर नगर जोन में 24, झोटवाड़ा जोन में 62, मानसरोवर जोन में 60, सांगानेर जोन में 30, जगतपुरा जोन में 25 एवं मालवीय नगर जोन में 78 गड्डें की मरम्मत की गई।

आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने मानसून में कोई दुर्घटना ना हो इसको लेकर अधिशाषी अभियन्ताओं, सहायक अभियंताओं, कनिष्ठ अभियंतों को गडढों की मरम्मत करने के भी निर्देश दिये।

पेयजल परियोजनाओं के कार्यों में गुणवत्ता व समयबद्धता सुनिश्चित करें - कन्हैयालाल चौधरी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि प्रदेश में संचालित पेयजल परियोजनाओं के सभी कार्य निर्धारित समयावधि के भीतर पूर्ण हों और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाए साथ ही मानसून सत्र में पेयजल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्राथमिक लक्ष्य है हर नागरिक को स्वच्छ, सुरक्षित और निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराना।

जलदाय मंत्री बुधवार को जल भवन में आयोजित विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक के दौरान उपस्थित सभी मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंताओं सहित अधीक्षण अभियंताओं को वीसी के माध्यम से सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी वृहद एवं लघु परियोजना की सफलता उसकी गुणवत्ता और समयबद्धता पर निर्भर करती है।

जल जीवन मिशन के कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं तेजी से किए जाएं—

जलदाय मंत्री ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि जल जीवन मिशन के कार्यों को पूरी पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ तेज़ी से पूर्ण किया जाए, ताकि हर घर को 'नल से जल' का संकल्प वास्तविकता में बदल सके। उन्होंने कहा कि मिशन के तहत जो कार्य प्रगतिरत है और मार्च 2023 तक पूर्ण कर दिये है। साथ ही इनकी कार्य पूर्ण करने की अवधि निकल चुकी है ऐसे कार्यों को पूर्ण करने सहित आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत निर्मित पेयजल से संबंधित कोई भी स्कीम धरातल पर बंद नहीं होनी चाहिए इसे चलाने के लिए आवश्यक कार्यवाही विभागीय स्तर पर सुनिश्चित की जाए।

चौधरी ने अभियंताओं को निर्देश दिए कि पाइपलाइन बिछाने के बाद प्रेशर टेस्टिंग अनिवार्य रूप से कराए और उसके बाद ही मिट्टी भराव करें। साथ ही, खुदाई के बाद निकला मलबा समय पर हटाया जाए साथ ही सड़क मरम्मत के लिए संबंधित संवेदकों को नैचुरल काम्पेक्शन करवाने के बाद ही रोड़ की मरम्मत के लिए पाबंद किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़कें पूर्ववत स्थिति में लौटें इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए।

अमृत 2.0 के कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण करें—

जलदाय मंत्री ने अमृत 2.0 के अन्तर्गत की गई निविदाएं, कार्यादेश, प्रगतिरत कार्यों सहित अन्य बिन्दओं के बारे में गहनता से चर्चा करते हुए कहा कि अमृत 2.0 के सभी कार्य केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बजट घोषणा 2025-26 के तहत हैण्डपम्प एवं नलकूप निर्माण की प्रगति के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि जो शेष कार्य अभी तक नहीं हुए हैं उन्हें आगामी 30 सितम्बर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

अवैध कनेक्शन के विरुद्ध हो प्रभावी कार्यवाही—

जलदाय मंत्री ने कहा कि अवैध कनेक्शन लेने वालों के विरुद्ध संचालित अभियान में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही अवैध कनेक्शनों के चिन्हीकरण के बाद उनके नियमितीकरण के लिए भी विशेष प्रयास किये जाएं। उन्होंने अभियान के तहत वृहद परियोजनाओं सहित सभी योजनाओं से अवैध कनेक्शन लेने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाने के निर्देश दिए।

बड़े ही खुश नसीब होते हैं वह लोग जो खुदा के घर का दीदार करने जाते हैं - फरमान पठान

मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। पत्रकार मोहम्मद फरमान पठान ने कहा कि बड़े ही खुशनसीब है वह लोग जो खुदा के घर का दीदार करने के लिए जाते हैं। पठान ने यह शब्द उमरा पर जा रहे अहसान खान सैय्यद और उनके साथ में जाने लोगों का स्वागत करने के बाद में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहे।

पठान ने कहा कि सभी मुसलमानों का यह अरमान होता है कि वह अपने जीवन में कम से कम एक बार हज या उमराह पर जरूर जाएं इसके लिए वह अपने खून पसीने की कमाई में से कुछ रुपए जोड़ते रहते हैं जब रुपए हज या उमराह पर जाने के लायक हो जाते हैं तब वह दुआएं करते हैं और हज के लिए फॉर्म भरते रहते हैं।

पठान ने कहा कि हाजियों को हज के दौरान लाखों करोड़ों नेकिया मिलती रहती है जिससे उनके सभी गुनाह माफ हो जाते हैं और वह ऐसे हो जाते है जैसे उसने अभी-अभी जन्म लिया हो।

मोहल्ला सारवान के अहसान खान सैय्यद उनकी पत्नी व बच्चा मोहम्मद और माता श्रीमती रशीदा सैय्यद आदि उमराह करने के लिए जा रहे है इससे इनके परिवार में ख़ुशी का माहौल है।

जो लोग हाजियों का स्वागत करने के लिए आरहे है वो इनसे दुआएं करने का निवेदन भी कर रहे है।

उमराह करने जाने वाले अहसान खान व रशीदा खान आदि ने बताया कि उमराह करने के नाम से ही हमको बहुत सुकून मिला है हमारी तबियत खुश हो गई है दिल खुशियों में झूल गया है हमारा रोम रोम खुश है।

हाजियों ने बताया कि वहां पर इतना सुकून मिलेगा कि वापस आने का मन ही नहीं करेगा।

हाजियों ने यह भी बताया कि वहां की अजान नमाज काबा का वो दिलकश नजारा आंखों के सामने रहेगा।

इस अवसर पर बुन्द खान, लियाक़त खान, सैय्यद याकूब खान, पायलट इमरान खान सैय्यद, रिजवान खान सैय्यद, निसार खान पडियार, वहीद कुरैशी, सलामु खान, शौकीन कुरैशी रिय्याज खान, आसिफ खान, इरफान खान पडियार आदि ने हाजियों का स्वागत किया।

राजस्थान को हरित प्रदेश बनाने के लिए इस वर्ष 11 करोड़ पौधे लगाए जा रहे - उप मुख्यमंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान - 'हरियाळो-राजस्थान' के तहत खान एवं भू- विज्ञान विभाग द्वारा जोधुपर जिले के राजकीय महाविद्यालय एवं स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल विद्यालय लूणी में वृक्षारोपण कार्यक्रम बुधवार को उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा एवं संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान बना जनअभियान—

उप मुख्यमंत्री ने कहा ने यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान अब जनअभियान बन गया है। यह अभियान उनका प्रकृति की सेवा करने एवं मां के प्रति सम्मान का भाव दर्शाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से प्रदेश में माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान' प्रारम्भ किया।

डॉ. बैरवा ने कहा गत वर्ष इस अभियान के तहत 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए थे। उन्होंने कहा राजस्थान को हरित प्रदेश बनाने के लिए इस वर्ष 11 करोड़ पौधे लगाए जा रहे है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति एक पेड़ मां के नाम जरूर लगाये एवं उसकी देखभाल भी करें।

विकसित भारत 2047 विजन में हमारी सहभागिता जरूरी – डॉ. बैरवा

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 विजन में हम सभी को सहभागी बनना है। उन्होंने कहा इस लक्ष्य की दिशा में नई शिक्षा नीति एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसे देश के युवाओं की जरूरतों और भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

डॉ. बैरवा ने कहा नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों को केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि संस्कार, कौशल और आत्मनिर्भरता भी प्रदान करती है। उन्होंने कहा हमारे छात्र-छात्राएं संस्कारयुक्त शिक्षा के माध्यम से न केवल अपना भविष्य संवारेंगे, बल्कि प्रदेश और देश का नाम भी गर्व से ऊँचा करेंगे।

युवाओं को मिल रहे बेहतर शैक्षणिक अवसर - पटेल

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि लूणी क्षेत्र का समग्र विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा युवाओं को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध करवाये जा रहे है।

पटेल ने कहा लूणी महाविद्यालय को हर दृष्टि से सशक्त और संसाधनयुक्त बनाना हमारा लक्ष्य है, ताकि विद्यार्थी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त कर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें। उन्होंने उप मुख्यमंत्री (उच्च शिक्षा) से लूणी महाविद्यालय में नवीन विषय के रूप में गृह विज्ञान एवं महाविद्यालय को स्नातकोत्तर महाविद्यालय में क्रमोन्नत करने की मांग रखी।

उप महानिरीक्षक पुलिस राहुल कोटोकी ने संभाला पदभार

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर में उप महानिरीक्षक पुलिस (DIG) के पद पर नवपदस्थापित राहुल कोटोकी (DIG) ने बुधवार को विधिवत रूप से पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वागत किया।

उल्लेखनीय है कि कोटोकी एक अनुभवी और कुशल पुलिस अधिकारी हैं, जिन्हें प्रशासनिक कार्यों और कानून व्यवस्था बनाए रखने का व्यापक अनुभव है। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने अधिकारियों के साथ परिचयात्मक बैठक की और कार्य प्रणाली की समीक्षा की।

इस अवसर पर कोटोकी ने कहा कि वे जयपुर विकास प्राधिकरण में पारदर्शिता, अनुशासन और जनहित के प्रति उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि प्राधिकरण क्षेत्र में हो रहे अतिक्रमण की रोकथाम हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार ग्रेटर सतर्कता शाखा की बड़ी कार्रवाई

-14 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 3 केन्टर सामान जब्त

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में बुधवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में जनपथ लालकोठी, कोठारी हॉस्पिटल प्रधान मार्ग मालवीय नगर, हल्दीघाटी मार्ग, पन्नाधाय सर्किल, बजाज नगर बैरवा कॉलोनी, अम्बाबाड़ी सर्किल, शिवपुरी कॉलोनी मुरलीपुरा, बस स्टैण्ड सेक्टर-23 विद्याधर नगर, बियानी कॉलेज, केसरी मार्बल एवं नेशनल हैण्डलूम आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 14 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 3 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में जनपथ लालकोठी, कोठारी हॉस्पिटल प्रधान मार्ग मालवीय नगर, हल्दीघाटी मार्ग, पन्नाधाय सर्किल, बजाज नगर बैरवा कॉलोनी, अम्बाबाड़ी सर्किल, शिवपुरी कॉलोनी मुरलीपुरा, बस स्टैण्ड सेक्टर-23 विद्याधर नगर, बियानी कॉलेज, केसरी मार्बल एवं नेशनल हैण्डलूम आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया।

उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 3 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 14 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

भाजपा ने किए कार्यक्रम प्रभारी, विधानसभा एवं मंडल प्रभारी नियुक्त

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। भाजपा जिलाअध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने कार्यक्रम प्रभारी, विधानसभा एवं मंडल प्रभारी नियुक्त किए। जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि भाजपा जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने बुधवार को भाजपा जिला कार्यालय पर बैठक आयोजित कर कार्यक्रम एवं अभियान का प्रभारी जगदीश अग्रवाल को, बूथ प्रबंधन का प्रभारी विनोद अटल को, समन्वय प्रभारी हरिओम गर्ग को, साहित्य लेख एवं प्रचार का प्रभारी दीनदयाल अग्रवाल को,निर्वाचन एवं सदस्यता का प्रभारी बलवीर सिंह राजावत को, मन की बात का प्रभारी हेमंत शर्मा को नियुक्त किया।

विधानसभा प्रभारी की नियुक्ति करते हुए खंडार विधानसभा के प्रभारी हरिओम गर्ग, सवाई माधोपुर विधानसभा के प्रभारी विनोद अटल, बामनवास विधानसभा के प्रभारी बाबूलाल मीणा, गंगापुर सिटी विधानसभा का प्रभारी जगदीश अग्रवाल को नियुक्त किया।

इसी प्रकार जिले के मंडल प्रभारियों में खंडार मंडल के हरफूल बैरवा, छान मंडल के गंगा शंकर गौतम, कुस्तला मंडल के रामहरि जाट, चौथ का बरवाड़ा मंडल के दीनदयाल अग्रवाल, सवाई माधोपुर शहर मंडल के लालचंद गौतम, मलारना डूंगर मंडल के कमल मीणा, सवाई माधोपुर ग्रामीण मंडल के सुरेंद्र शर्मा, कुंडेरा मंडल के मीरा सैनी, सवाई माधोपुर बजरिया मंडल के मेघा वर्मा, बामनवास मंडल के उदय सिंह गुर्जर, बोली मंडल के विजय गुर्जर (प्रधान), बरनाला मंडल के हरिओम पटेल, मित्रपुरा मंडल के प्रेम देवी मीणा, गंगापुर शहर मंडल के सत्यनारायण धाकड़, गंगापुर ग्रामीण मंडल के दीपक सिंघल, तलवाड़ा मंडल के ज्योति दीक्षित, वजीरपुर मंडल के सरिता बंसल को मंडल का प्रभारी नियुक्त किया।

इस दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश जैन, जिला महामंत्री विनोद अटल, जगदीश अग्रवाल, बाबूलाल मीणा, जिला उपाध्यक्ष हरिओम गर्ग, सत्यनारायण धाकड़ ,जिला प्रवक्ता सुरेंद्र शर्मा , बोली मंडल अध्यक्ष हनुमत दीक्षित, मित्रपुरा मंडल अध्यक्ष शंकर पोसवाल,कार्यालय मंत्री मुकेश शर्मा, पूर्व जिला प्रमुख पृथ्वीराज मीणा, पूर्व मंडल अध्यक्ष रामकिशोर अग्रवाल,बजरिया मंडल के केशव शर्मा, गिरीश शर्मा, कृष्णा गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

अर्चना मीना बनी आईसोवा महाराष्ट्र की अध्यक्ष

-शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और बाल कल्याण जैसे विषयों पर ठोस योगदान देने का अवसर मिलेगा - अर्चना मीना

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। स्वदेशी जागरण मंच की राष्ट्रीय महिला प्रमुख एवं स्वावलंबी भारत अभियान की राष्ट्रीय सह-समन्वयक, सवाई माधोपुर जिले में विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे सामाजिक कार्यों एवं नवाचारों से अपनी पहचान बनाने वाली आरंभ भारत की संस्थापक, होटल अनुरागा पैलेस की डायरेक्टर, शबरी ऑर्गेनिक कृषि एवं डेयरी फार्म की सीईओ एवं जनजाति महिला विकास संस्थान की फाउंडर मेंबर अर्चना मीना को आईसोवा (आईएएस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन) महाराष्ट्र की अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करते हुए अर्चना मीना ने कहा कि आईसोवा, महाराष्ट्र की अध्यक्ष पद के दायित्व को ग्रहण करते हुए मन में कृतज्ञता के साथ-साथ गहरी जिम्मेदारी का अनुभव हो रहा है। इस संस्था ने दशकों से देशभर के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के परिवारों, विशेष रूप से उनकी जीवन संगिनियों को एक ऐसा मंच दिया है जहाँ हम समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को और अधिक व्यापकता व उद्देश्य के साथ निभा सकें।

अर्चना ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मैंने स्वयं पिछले कई वर्षों में महसूस किया है कि जब देश के नीति निर्धारक प्रशासनिक तंत्र को अनुकूल परिस्थितियाँ, मनोबल और सकारात्मक सहयोग देने में उनके परिवार की भी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष भागीदारी होती है, तो समाज में संवेदनशीलता, सेवा और समावेशिता के नए आयाम जुड़ते हैं।

अर्चना ने कहा कि हम भाग्यशाली हैं कि आईसोवा (IAS Officers Wives Association - IASOWA) जैसे मंच से जुड़ कर हमें शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और बाल कल्याण जैसे विषयों पर ठोस योगदान देने का अवसर मिला है।

उन्होंने कहा कि मेरी ये भूमिका तब सफल हो पाएगी जब मुझे अपने से पहले की अनुभवी अध्यक्षों की प्रेरणा, उनके द्वारा शुरू किए गए सामाजिक कार्यों की विरासत और आईसोवा की समस्त सम्माननीय सदस्यों का मार्गदर्शन और साथ मिलेगा। मैं सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने मुझ पर हमेशा ही अपना स्नेह बनाए रखा। हम सब मिलकर एक ऐसे वातावरण का निर्माण करें जहाँ सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना को सर्वोपरि रखते हुए हर देशवासी चहुंमुखी विकास का सपना साकार होते हुए देख सके।

इस अवसर पर महाराष्ट्र की निर्वतमान मुख्य सचिव एवं पूर्व अध्यक्ष सुजाता सोनिक, सचिव आर. विमला, कोषाध्यक्ष ज़ेबा नायक सहित आईसोवा महाराष्ट्र के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

बताते चलें कि हाल ही में अर्चना मीना के पति आईएएस राजेश कुमार मीना महाराष्ट्र प्रदेश के मुख्य सचिव नियुक्त किए गए हैं।

डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी को लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक स्मृति सम्मान

सवाईमाधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। वरिष्ठ भाजपा नेता, सेवा निवृत्त प्रोफेसर, साहित्यकार, समाजसेवी, पर्यावरणविद तथा राष्ट्रवादी विचारक डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी को लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक स्मृति सम्मान से राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। वीणा वादिनी सेवा मंच तथा बृजलोक साहित्य कला संस्कृति अकादमी द्वारा लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती के अवसर पर डॉ. चतुर्वेदी को संस्था के अध्यक्ष डॉ. मुकेश कुमार ऋषि वर्मा तथा सचिव आर्यन निषाद द्वारा लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक स्मृति सम्मान प्रदान कर सम्मानित किया गया। डॉ. चतुर्वेदी को यह सम्मान उनके द्वारा राष्ट्र भाषा हिंदी, पत्रकारिता, शोध, शिक्षा, समाज सेवा, साहित्य, कला, संस्कृति तथा पर्यावरण आदि के क्षेत्र में प्रेरक, रचनात्मक एवं उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया गया है। डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी को संगठनात्मक कार्यों का एक लंबा अनुभव है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ तथा विविध सामाजिक संगठनों में वे पिछले पैंतीस वर्षों से निरंतर सक्रिय हैं। शैक्षणिक एवं सामाजिक क्षेत्र में वे अपनी एक विशिष्ट पहचान रखते हैं। वे एक श्रेष्ठ समीक्षक, कुशल वक्ता तथा कुशल मंच संचालक भी हैं। डॉ. चतुर्वेदी अनेक सामाजिक क्षेत्रों में निरंतर सक्रिय हैं।

भगवान सहाय खातोदिया बने जिला देहात के मीडिया प्रभारी

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर जिला देहात यादव महासभा के अध्यक्ष डॉक्टर जगदीश प्रसाद यादव ने जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए ग्राम पंचायत आलीसर के निवासी भगवान सहाय खातोदिया को जयपुर जिला देहात यादव महासभा का मीडिया प्रभारी नियुक्ति पर समाज के लोगों में खुशी की लहर है। वही यादव समाज के उच्च अधिकारियों का आभार जताया हैं।

दावत-ए-इस्लामी इंडिया के सामाजिक सेवा संस्थान ने जलनधरी जैसलमेर में किया वृक्षारोपण

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पर्यावरण प्रदूषण, वैश्विक तापवृद्धि (ग्लोबल वार्मिंग) और बढ़ते तापमान को ध्यान में रखते हुऐ दावत-ए-इस्लामी इंडिया के सामाजिक सेवा संस्थान गरीब नवाज़ रिलीफ फाउंडेशन ने "पौधा लगाना है, पेड़ बनाना है" के संकल्प के साथ वृक्षारोपण अभियान शुरु किया हुआ है। इस अभियान के अंतर्गत सोजियो कि ढाणी जलनधरी जैसलमेर में पौधे लगाये गये और येह संकल्प लिया कि पौधा लगायेगे और दरख्त बनायेगे हैं इस अभियान का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं है, बल्कि उन्हें पेड़ बनाना और उनकी देखभाल करके एक हरा-भरा और सुरक्षित भारत बनाना है। पैगंबर हज़रत मुहम्मद का कथन है "जो कोई वृक्ष लगाए, और उससे मनुष्य या जानवर लाभ उठाएं, तो वह उसके लिए सतत पुण्य (सदक़ा-ए-जारिया) बन जाता है।"तफ़सीर कबीर, खंड 6, पृष्ठ 367 यह अभियान एक ओर इस्लामिक परंपरा के अनुसरण का माध्यम है, तो दूसरी ओर आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वायुमंडल और छायादार वातावरण तैयार करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास भी है। के कार्यकर्ता "प्रकृति को बचाओ" (Save Nature) के विषय पर विभिन्न शैक्षणिक और धार्मिक संस्थानों में जनजागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित कर रहे हैं। इस मौके पर संस्था के शैख असलम अत्तारी, इमाम कारी लुकमान साहब, खमिसे खान, सुलेमान खान, नवाब खान, राणे खान, शमसेर खां, रेहान, मुहम्मद हुसैन अत्तारी आदि साथ रहे।

टीबी मुक्त भारत की दिशा में हनुमानगढ़ ने रचा इतिहास

-50 हजार नॉट जांच करने वाला प्रदेश का पहला जिला

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। टीबी उन्मूलन की दिशा में हनुमानगढ़ जिले ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत 50,000 नॉट जांच पूरी कर राजस्थान में यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला जिला बन गया है। यह उपलब्धि "टीबी मुक्त भारत" के लक्ष्य की ओर एक मजबूत और निर्णायक कदम मानी जा रही है।

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. मुकेश शेखावत ने बताया कि जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव के निर्देशन एवं सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा के मार्गदर्शन में जिले में वलनरेबल पॉपुलेशन की स्क्रीनिंग के साथ-साथ संभावित टीबी मरीजों की पहचान कर उनका तुरंत इलाज शुरू किया जा रहा है। अभियान के तहत नॉट टेस्ट और चेस्ट एक्स-रे जैसे आधुनिक जांच साधनों का उपयोग किया जा रहा है।

टीबी खोजो अभियान में दिखा समर्पण:-

डॉ. शेखावत ने बताया कि राज्य सरकार और मुख्यमंत्री की मंशानुरूप जिले में सघन टीबी रोगी खोज अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें हर संभावित टीबी रोगी की पहचान और उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है। साथ ही जागरूकता गतिविधिया भी तेजी से चलाई जा रही हैं, जिससे आमजन में टीबी के प्रति जागरूकता बढ़े और समय रहते इलाज संभव हो सके।

निक्षय मित्र बनें, पोषण सामग्री दें:-

सीएमएचओ डॉ. शर्मा ने जिले के अधिकारियों, कर्मचारियों और आमजन से अपील की है कि अधिक से अधिक निक्षय मित्र जुड़ें ताकि टीबी मरीजों को पोषण सामग्री समय पर उपलब्ध करवाई जा सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि हर टीबी मरीज को दवा के साथ-साथ पोषण भी सुनिश्चित हो, जिससे उनका शीघ्र स्वस्थ होना संभव हो सके।

इस मुहिम को जन-आंदोलन बनाने के लिए व्यापारिक संगठनों, सामाजिक संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों से अपील की गई है कि वे निक्षय मित्र बनकर इस जनहित के अभियान में भागीदार बनें।

मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी क्रिकेट कप प्रतियोगिता 25 से होगी शुरू

-चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक़ ने किया प्रतियोगिता के बैनर का विमोचन

जोधपुर,(रॉयल पत्रिका)। मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी के तत्वावधान में 25 जुलाई से 31 जुलाई तक 'मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी क्रिकेट कप प्रतियोगिता' का आयोजन किया जाएगा। यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक़ ने प्रतियोगिता के बैनर का विमोचन किया। एक बेहद सादे कार्यक्रम में बैनर के विमोचन के बाद मोहम्मद अतीक़ ने बताया कि इस प्रतियोगिता में यूनिवर्सिटी की टीमो के अलावा बाड़मेर, जैसलमेर सहित प्रदेश की कई टीमे भाग लेगी। 'मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी क्रिकेट कप' के इस दूसरे सेशन में विजेता टीमों को नकद पुरस्कार दिए जायेंगे। साथ ही मेन ऑफ द सीरीज, मेन ऑफ द मैच, बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर, बेस्ट फील्डर आदि के इनामात भी दिए जाएंगे। विमोचन कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी अध्यक्ष डॉ. जमील काज़मी, डीन अकिडमिक्स डॉ. इमरान खान पठान, डीन स्पोर्टस डॉ. सैयद मोईनुल हक़, डॉ. अब्दुल्लाह ख़ालिद, वरिष्ठ छात्र शान खान सिंधी, सैयद ऐजाज खान, ईमरान मेहर, फ़ारूक़ मेहर, ज़ाकिर खान, समीर खान सहित कई प्राध्यापक और यूनिवर्सिटी छात्र उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

-हर्षोल्लास से मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

पाली, (रॉयल पत्रिका)। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को पूरे जिले में हर्षोल्लास एवं गरिमा के साथ मनाया जाएगा। इसको लेकर बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. बजरंग सिंह की अध्यक्षता में संबंधित विभागों की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर सिंह ने स्वतंत्रता दिवस की महत्ता को रेखांकित करते हुए सभी विभागों को समयबद्ध रूप से तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी सम्बंधित विभागों को उनसे संबंधित व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के जिनमें नगर परिषद शहीद स्मारक व सर्कलों की लाइटिंग, शहर की साज-सज्जा, सफाई, समारोह स्थल पर बैठने, साउण्ड, माईक, पेयजल, परिवहन, चिकित्सा, शिक्षा, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था जैसे विषयों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी मुख्य समारोह बांगड़ स्टेडियम में प्रातः 9 बजे से आयोजित होगा, जिसमें मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। इससे पूर्व 8:30 बजे जिला कलेक्ट्रेट एवं प्रातः 8:00 बजे तक सभी शासकीय कार्यालयों में ध्वजारोहण किया जाएगा। उन्होंने मुख्य समारोह में राष्ट्रगान बालिया स्कूल द्वारा, परिवहन विभाग को बसों की व्यवस्था, मेडिकल विभाग को स्टेडियम में पूर्वाभ्यास व कार्यक्रम के दौरान एम्बुलेंस की व्यवस्था सहित अन्य विभागों को उनसे संबंधित व्यवस्थाओं के निर्देश दिए।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर सीलिंग अश्विन के पंवार ने भी तैयारियों को लेकर दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी विमलेन्द्र सिंह राणावत, यूआईटी सचिव डॉ पूजा सक्सेना, नगर निगम आयुक्त नवीन भारद्वाज, उप पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह, जिला रसद अधिकारी मनजीतसिंह, जिला शिक्षा अधिकारी राहुल राजपुरोहित, ट्रैफिक इंचार्ज हिंगलाज दान, आरआई पुलिस लाइन लता,सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उपराष्ट्रपति का इस्तीफा : सत्ता का दंभ, संवैधानिक संस्थाएं और विपक्ष की विडंबना- डॉ. सुमित गर्ग

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय लोकतंत्र में उपराष्ट्रपति का पद केवल एक संवैधानिक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह निष्पक्षता, गरिमा और संवैधानिक संतुलन का प्रतीक है। हाल ही में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा दिया गया अचानक इस्तीफा मात्र पद-त्याग नहीं, बल्कि एक राजनीतिक संदेश, संवैधानिक संघर्ष, और लोकतंत्र की दिशा पर प्रश्नचिह्न है। धनखड़, उपराष्ट्रपति बनने से पहले पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में कार्यरत थे। उनके कार्यकाल में उन्होंने बार-बार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य सरकार के साथ टकराव की स्थिति उत्पन्न की। उनके व्यवहार को लेकर यह धारणा बनी कि वे केंद्र की मोदी सरकार के इशारों पर कार्य कर रहे हैं और लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रहे हैं। बार-बार की बयानबाजी, आलोचनात्मक टिप्पणियों, और प्रशासनिक टकराव ने राज्यपाल पद की निष्पक्षता और गरिमा पर सवाल खड़े किए।उपराष्ट्रपति बनने के बाद, उनके कार्यकाल की शुरुआत में भी सत्ता के प्रति झुकाव देखने को मिला। विपक्ष ने उन पर राज्यसभा में पक्षपातपूर्ण रवैये, बोलने का अवसर न देने, और तटस्थता की कमी जैसे आरोप लगाए। यही कारण रहा कि विपक्ष ने उनके खिलाफ प्रस्ताव लाने का प्रयास किया, लेकिन सरकार के समर्थन के चलते यह पारित नहीं हो सका।

परंतु समय के साथ जब उन्होंने कुछ मुद्दों पर स्वतंत्र सोच और संविधान-सम्मत निर्णय लेने शुरू किए, तो सत्ता के गलियारों में उनकी स्वीकार्यता घटने लगी। उन्होंने जिस प्रकार सत्ता के अनुरूप न चलकर संवैधानिक मर्यादा निभाने की कोशिश की, उसने अंततः उनकी कुर्सी छीन ली।धनखड़ के इस्तीफे के बाद जिस प्रकार से प्रधानमंत्री को छोड़कर न तो गृह मंत्री, न राज्यसभा के नेता, न भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और न ही किसी अन्य वरिष्ठ नेता ने कोई प्रतिक्रिया दी, वह अपने आप में सता की मंशा को स्पष्ट कर देता है। प्रधानमंत्री द्वारा किया गया एक संक्षिप्त और शुष्क ट्वीट ही इस बात का संदेश देता है कि-

"जो सत्ता के अनुसार नहीं चलेगा, उसका हश्र जगदीप धनखड़ जैसा होगा।"

यह भारत की संवैधानिक संस्थाओं के लिए एक चेतावनी से कम नहीं कि यदि वे सता के अनुरूप नहीं चलेंगी, तो उन्हें पद से जबरन हटाया जा सकता है। यह केवल इस्तीफा नहीं, बल्कि एक नियोजित राजनीतिक निष्कासन जैसा प्रतीत होता है।

स्वाभाविक है कि विपक्ष के मन में धनखड़ के प्रति कोई विशेष सहानुभूति नहीं हो सकती, क्योंकि उन्होंने बतौर राज्यपाल और फिर उपराष्ट्रपति काल में विपक्ष के साथ सौतेला व्यवहार किया, बार-बार उनको नीचा दिखाया, और उनके अधिकारों का हनन किया। विपक्ष ने उन्हें बार-बार लोकतांत्रिक मर्यादाओं के उल्लंघनकर्ता के रूप में देखा। इसलिए उनके इस्तीफे पर विपक्ष का संवेदनात्मक मौन स्वाभाविक है।लेकिन, इसके बावजूद विपक्ष यह गंभीर सवाल जरूर उठा रहा है कि धनखड़ का इस्तीफा आखिर अचानक क्यों आया? विपक्ष यह मान रहा है कि यह इस्तीफा स्वेच्छा से नहीं दिया गया, बल्कि सता ने दबाव बनाकर उनसे इस्तीफा लिया है। यह भी सरकार की तरफ से कोई स्पष्टीकरण या औपचारिक प्रतिक्रिया न आना दर्शाता है कि सत्ता जवाबदेही से बच रही है। विपक्ष सरकार को इस घटनाक्रम पर घेरने की कोशिश कर रहा है, लेकिन अब तक उसे कोई जवाब नहीं मिला है और शायद मिलेगा भी नहीं. क्योंकि सता इस घटना को चुपचाप राजनीतिक रूप से 'मैनेज कर चुकी है।

यह संपूर्ण घटनाक्रम अब संवैधानिक संस्थाओं और पदों पर बैठे सभी व्यक्तियों के लिए एक चेतावनी और आत्ममंथन का क्षण है।

उन्हें तय करना होगा कि-

1. वे सता के हित में चलने वाले यंत्र बनना चाहते हैं, जो पद पर बने रहेंगे लेकिन आत्मा खो देंगे,
2. या वे संविधान के अनुरूप निर्णय लेने वाले जिम्मेदार अधिकारी बनना चाहेंगे, भले ही इसकी सजा सता उन्हें पद से हटा कर दे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण हेतु मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण सम्पन्न

पाली, (रॉयल पत्रिका)। विशेष गहन पुनरीक्षण एवं संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को जिला निर्वाचन अधिकारी एलएन मंत्री की अध्यक्षता में जिला परिषद सभागार में प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई।

इस कार्यशाला में जिले के 50 विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स (।स्डज) एवं 6 जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स (क्स्डज) को निर्वाचन संबंधी कार्यों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में मतदाता सूचियों के संधारण, नाम जोड़ने, हटाने एवं संशोधन से संबंधित प्रक्रियाओं की जानकारी विस्तार से दी गई। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. बजरंग सिंह भी उपस्थित रहे।

विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय सम्मान समारोह

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर परिवार कल्याण कार्यक्रमों के अंतर्गत 2024- 25 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 26 कार्मिकों, 10 जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि नसबंदी ऑपरेशन में 7188 के साथ जिला पूरे प्रदेश में पांचवे स्थान पर रहा।

जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने समारोह में संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान परिदृश्य में आमजन की सोच में बदलाव आया है। परन्तु अभी भी पुरुष नसबंदी को लेकर विसंगतियां देखी जा सकती है, जिसपर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का जिक्र करते हुए चिकित्सा विभाग के कार्मिकों को 850 रुपए में 25 लाख का स्वास्थ्य और 10 लाख का जीवन बीमा से गांव स्तर पर आमजन को लाभान्वित करने की बात कही।

इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रमोद डेलू ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत का संकल्प साकार हो रहा है। वर्तमान में राजकीय अस्पतालों में निजी अस्पतालों से कहीं अधिक बेहतरीन सुविधाए है। शिक्षा, चिकित्सा एवं नशा मुक्ति के क्षेत्र में ओर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। जनप्रतिनिधि अमित सहू ने 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी द्वारा चलाए गए स्वच्छता अभियान का जिक्र करते हुए चिकित्सकीय सुविधा के क्षेत्र में जिला अग्रणी है।

सम्मान समारोह में पूर्व विधायक गुरदीप शाहपीनी, जिला प्रमुख श्रीमती कविता मेघवाल, टिब्बी प्रधान निकुराम, सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा, पीएमओ डॉ. शंकर लाल सोनी, जनप्रतिनिधि प्रदीप, एसीएमएचओ डॉ. ज्योति सहित ब्लॉक से बीसीएमएचओ, अधिकारी, जनप्रतिनिधि मौजूद रहें।

अशोक गहलोत ने लिखा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को पत्र

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सेंट्रल पार्क, जयपुर में स्थित गांधी वाटिका म्यूजियम में सरकारी उपेक्षा के कारण हो रही परेशानियों की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करने हेतु मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को पत्र लिखा है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 18 जुलाई, 2025 को करीब 5 घंटे तक गांधी वाटिका म्यूजियम का दौरा किया था। वहां पर मिली अव्यवस्थाओं से मुख्यमंत्री को अवगत करवाने एवं सुधार के लिए पत्र लिखा है।

मांसपेशियां और मस्कारा दोनों ही बरकरार रहते हैं: सोहा अली खान

शाही परिवार से ताल्लुक रखने वाली अभिनेत्री सोहा अली खान फिटनेस के साथ-साथ हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए भी चर्चा में बनी रहती हैं। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया पर जिमिंग वीडियो शेयर की। अभिनेत्री ने एक्टिंग के दम पर दर्शकों के बीच एक अलग पहचान बनाई है। हालांकि वह अब बड़े पर्दे पर कम दिखाई देती हैं, लेकिन अपने फैंस से जुड़े रहने के लिए इंस्टाग्राम पर सक्रिय रहती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की है, जिसमें वह जिम में पसीना बहाती नजर आ रही हैं।

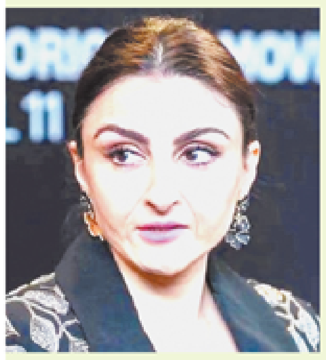

जिम गर्ल और फिटनेसमोटिवेशन हैशटैग के साथ लिखा, मांसपेशियां और मस्कारा- दोनों बरकरार रहते हैं, भले ही हम इसे बार-बार ठीक करते रहें। सोहा अक्सर अपनी फिटनेस और हेल्दी लाइफ की झलक सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर अपनी मॉर्निंग वेलनेस की एक झलक शेयर की थी। अभिनेत्री ने पोस्ट के जरिए बताया कि वह दिन की शुरुआत एक डिटॉक्सिफाइंग ड्रिंक से करती हैं, जो उन्हें पूरे दिन तरोताजा महसूस कराता है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह सफेद कद्दू का जूस पीती नजर आ रही हैं। सोहा ने वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा,सेल्फ लव बेहद जरूरी है! मैं पिछले तीन महीनों से हर सुबह खाली पेट सफेद कद्दू का जूस पीती आ रही हूं। यह जूस पेट के लिए फायदेमंद होता है। अभिनेत्री ने बैकग्राउंड में माइली साइरस का गाना फ्लावर्स एड किया है। अभिनेत्री ने अभिनेता कुणाल खेमू संग साल 2015 में शादी की थी।

सिनेमा के रखवाले

अपने ही एक फिल्म फेस्टिवल को जीवित रखने में नाकाम: हंसल मेहता

सिनेमा के तथाकथित रखवाले, जो सिर्फ चमक-दमक वाले मंचों और सुरक्षित दांवों की तलाश में रहते हैं, उन्होंने इसे कुछ जुनूनी लोगों के भरोसे छोड़ दिया, न कोई समारोह है, न कोई गुस्सा। बस एक धीमी, खामोश, गुमनामी। जिसे हमारी संस्कृति का एक मजबूत स्तंभ होना चाहिए था, वह अब बस एक फुटनोट बनकर रह गया है। प्रगति के नाम पर उपेक्षा का एक और शिकार। मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल लगभग तीन दशकों से फिल्म जगत में एक प्रमुख स्थान रखता है। हालांकि, आयोजकों ने सोमवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर इस साल के महोत्सव के रद्द होने की जानकारी दी। महोत्सव के निर्देशक शिवेंद्र सिंह डूंगरपुर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर किया था, जिसमें उन्होंने लिखा, आपको सूचित करता हूं कि मामी मुंबई फिल्म महोत्सव 2025 का संस्करण इस साल आयोजित नहीं किया जाएगा। हम एक महोत्सव को नई टीम के साथ नया रूप देने की प्रक्रिया में हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह महोत्सव भारत और दुनियाभर के सर्वश्रेष्ठ स्वतंत्र, क्षेत्रीय और क्लासिक सिनेमा के एक प्रमुख प्रदर्शन के रूप में लौटे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वे अगले साल महोत्सव के एक नए संस्करण के साथ वापस आएंगे। उन्होंने आगे कहा, हम महोत्सव को पुनर्निर्धारित करने के लिए पूरी लगन से काम कर रहे हैं और 2026 संस्करण की नई तारीखों की घोषणा जल्द से जल्द करेंगे।

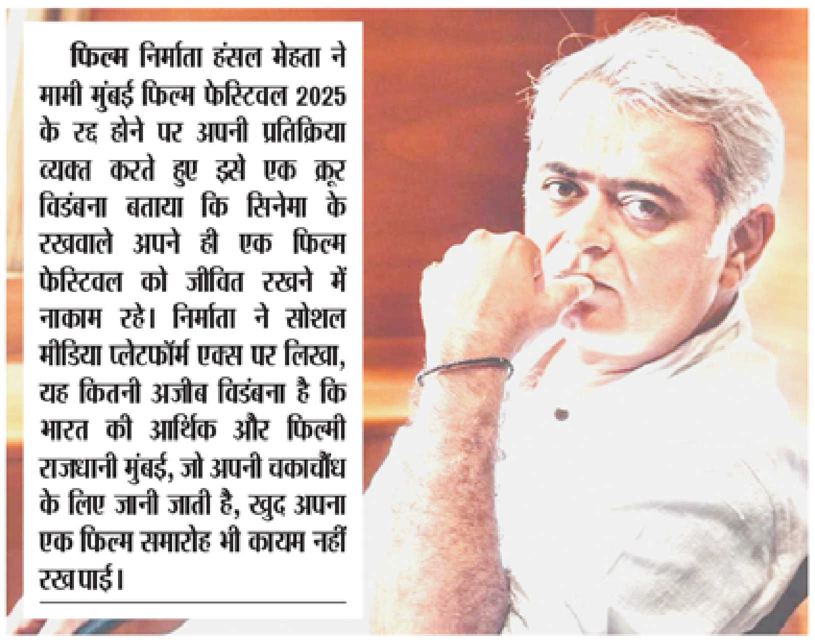

फिल्म निर्माता हंसल मेहता ने मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल 2025 के रद्द होने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे एक क्रूर विडंबना बताया कि सिनेमा के रखवाले अपने ही एक फिल्म फेस्टिवल को जीवित रखने में नाकाम रहे। निर्माता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यह कितनी अजीब विडंबना है कि भारत की आर्थिक और फिल्मी राजधानी मुंबई, जो अपनी चकाचौंध के लिए जानी जाती है, खुद अपना एक फिल्म समारोह भी कायम नहीं रख पाई।

पवन कल्याण नहीं करेंगे 'हरि हर वीर मल्लु' का प्रचार

पवन कल्याण की आगामी फिल्म हरि हर वीर मल्लु का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। अब फिल्म निर्माताओं ने बताया है कि पवन कल्याण फिल्म का प्रचार नहीं करेंगे, जो उनके फैंस के लिए काफी निराशाजनक बात है। मेकर्स ने इसकी वजह भी बताई है। आइए जानते हैं कि अभिनेता ने अपनी आगामी फिल्म के प्रचार से क्यों बनाई दूरी। हरि हर वीर मल्लु के निर्माताओं ने हाल ही में मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उनसे सवाल किया गया कि क्या अभिनेता पवन कल्याण फिल्म के दौरान मौजूद रहेंगे। इसके जवाब में मेकर्स ने कहा, कृपया फिल्म का आनंद लेने के लिए देखें, न कि सिर्फ गलतियां ढूंढने के लिए। यह फिल्म दर्शकों के लिए बनाई गई है। पवन कल्याण अपनी अन्य चीजों में व्यस्त हैं और इसलिए वो हिंदी और अन्य भाषाओं में फिल्म का प्रचार नहीं करेंगे।' पवन कल्याण सिर्फ अभिनेता ही नहीं, बल्कि राजनेता भी हैं।

राशा थडानी को पसंद आई 'सैयारा'

● अहान पांडे और अनीत पड्डा की जोड़ी लगी शानदार

एक्टर अहान पांडे और अनीत पड्डा स्टारर सैयारा को दर्शकों के साथ ही फिल्म इंडस्ट्री के सितारों से भी खब प्यार मिल रहा है। इसके लिए फिल्म की टीम, खासकर लीड जोड़ी अहान पांडे और अनीत पड्डा को बधाइयां मिल रही हैं। अभिनेत्री राशा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उनकी जोड़ी को सराहा और दोनों की जोड़ी को शानदार बताया। 'आजाद' से डेब्यू करने वाली अभिनेत्री राशा थडानी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर 'सैयारा' की लीड जोड़ी की जमकर तारीफ की। उन्होंने अहान की तारीफ करते हुए लिखा, डियर, तुम चमकने के लिए बने हो! तुम खास हो, मुझे गर्व है कि दुनिया को तुम्हारा टैलेंट देखने को मिल रहा है। काश मैं कल वहां होती तुम्हें सपोर्ट करने और काश मैं प्रशंसकों का प्यार तुम्हारे लिए उमड़ते देखने के लिए वहां मौजूद होती, तुम इस प्यार-सम्मान के हकदार हो। राशा ने अनीत पड्डा की भी प्रशंसा की और लिखा, अनीत पड्डा, तुम्हें स्क्रीन पर देखकर बहुत अच्छा लगा, तुम जादू हो! तुम्हारी आवाज बेहद खूबसूरत है! तुम लड़कियों के लिए प्रेरणा हो। तुम्हारी अभिव्यक्ति की कला एक तोहफा है। मोहित सूरी, मैं आपसे सीख रही हूं। आपने मेरा दिल खुशी से भर दिया। 'सैयारा' की खूबसूरत दुनिया से रूबरू कराने के लिए धन्यवाद। सिनेमा को कला से सजाने और हमें भावनाओं से जोड़ने के लिए शुक्रिया।

मनोरंजन जगत में बने रहने के लिए

लोगों से जुड़ना जरूरी: आशी

आशी ने कहा, आज के समय में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते रहने के लिए मुझे लगता है कि प्रोजेक्ट्स पर काम करना जरूरी नहीं है, बल्कि लगातार लोगों से कनेक्ट रहना जरूरी होता है। इसीलिए मैं लोगों से कनेक्ट रहने के लिए इंस्टाग्राम का इस्तेमाल करती हूं। अभिनेत्री ने बताया कि वह जब किसी प्रोजेक्ट पर काम नहीं कर रही होती, तो सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं। उन्होंने आगे कहा, जब मैं किसी प्रोजेक्ट पर काम नहीं कर रही होती, तो मैं इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव हो जाती हूं ताकि लोग मुझे देख सकें और मैं उन लोगों से बातचीत कर सकूं। मुझे लगता है कि मैं इसी तरह से प्रासंगिक बनी रहती हूं, और अगर मैं एक्टिव नहीं रह पाती, तो शायद कुछ महीनों से ऐसा प्रोजेक्ट करने लगती जो मुझे सुर्खियों में ला दे। इसलिए मैं ज्यादा परेशान नहीं रह पाती। बता दें, अभिनेत्री फिलहाल सोनी सब के रोमांटिक कॉमेडी शो उफ्फ...ये लव है मुश्किल में नजर आ रही हैं। इस शो में आशी शब्बीर अहलूवालिया भी हैं। यह कहानी कैरी की है, जो महत्वाकांक्षी और जिंदादिल युवती है। जो कम उम्र से ही अपने तीन छोटे भाई-बहनों की जिम्मेदारी संभालती है और वह आत्मनिर्भर और अपने सिद्धांतों पर अडिग है। वह वकील बनने की राह पर है। वहीं, इस शो में अभिनेता शब्बीर अहलूवालिया युग नाम के लड़के का किरदार निभा रहे हैं। वह पेशे से वकील है, लेकिन अतीत में हुए दर्दनाक हादसों के कारण वह महिलाओं को शक की निगाहों से देखता है। आशी सिंह ने हबीब फैसल द्वारा निर्देशित 2017 की फिल्म कैदी बैंड में जेलर की बेटी की भूमिका अदा की थी। इसमें मुख्य भूमिका में आदर जैन और अन्या सिंह थे। 2017 से 2019 तक, उन्होंने रणदीप राय के साथ ये उन दिनों की बात है में नैना अग्रवाल की मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके बाद अभिनेत्री ने अलादीन - नाम तो सुना होगा में यास्मीन के किरदार में नजर आई थी। आशी सिंह टीवी सीरियल मीत- बदलेगी दुनिया की रीत में अभिनेता शगुन पांडे के साथ मीत हुड्डा के रूप में नजर आईं। आशी ने फर्स्ट कॉपी के साथ अपना ओटीटी डेब्यू भी किया है, जहां उन्होंने मुनव्वर फारुकी के साथ आफरीन का किरदार निभाया है।

टेलीविजन अभिनेत्री आशी सिंह ने अपने अभिनय की शुरुआत सीक्रेट डायरिज: द हिडन चैप्टर्स से की थी, अभिनेत्री ने बताया कि मनोरंजन जगत में बने रहने के लिए लोगों के साथ कनेक्ट होना बहुत जरूरी है।

पंकज त्रिपाठी ने बताया फिल्मों के न चलने का कारण

अभिनेता पंकज त्रिपाठी की गिनती इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकारों में होती है। हाल ही में आई अनुराग बसु की 'मेट्रो इन दिनों' में एक बार फिर उन्होंने अपने अभिनय से सबको प्रभावित किया था। 'मेट्रो इन दिनों' अच्छे रिव्यू के बाद भी बॉक्स ऑफिस पर उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। अब अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन न कर पाने के लिए महंगे टिकट प्राइस को जिम्मेदार ठहराया है। बातचीत में पंकज त्रिपाठी ने दर्शकों के सिनेमाघरों में न पहुंचने पर प्रतिक्रिया दी है। अभिनेता ने कहा कि इस मामले में टिकट की कीमतें एक मुद्दा हैं और उसकी भी एक भूमिका है। अगर आज किसी परिवार को थिएटर जाना पड़े, तो यह बहुत महंगा सौदा है। टिकट की कीमतें और वहां परोसा जाने वाला खाना बहुत महंगा है। हालांकि, ये बिजनेस का खेल मेरी समझ से बाहर है। लेकिन हां, मुझे लगता है कि फिल्म के टिकट बहुत महंगे हैं और यह निश्चित रूप से एक बाधा है। पंकज त्रिपाठी ने आगे कहा कि सिर्फ मंगलवार या नेशनल सिनेमा डे पर जब टिकट की कीमतें कम होती हैं, तो सिनेमाघरों में दर्शकों की संख्या बढ़ जाती है। इसलिए अगर टिकट की कीमतें सही होंगी, तो दर्शकों की संख्या निश्चित रूप से बढ़ेगी। एक परिवार के लिए 2 हजार रुपए खर्च करके और पांच घंटे का समय निकालना, जिसमें आना-जाना भी शामिल है। ये आसान बात नहीं है। 2 हजार कोई बहुत छोटी रकम नहीं है। वर्क फ्रंट की बात करें तो पंकज त्रिपाठी हाल ही में 'मेट्रो इन दिनों' में नजर आए थे।

डेजी शाह को लेकर खबर आ रही थी कि वो सलमान खान के होस्ट किए जाने वाले शो बिग बॉस 19 में हिस्सा लेंगी, लेकिन उन्होंने अब इन खबरों को लेकर अपना रिएक्शन दिया है। मालूम हो कि डेजी ने सलमान की जय हो में काम किया है।

मैं बिग बॉस कभी नहीं करने वाली... डेजी शाह ने अटकलों पर लगाया फुल स्टॉप

बॉलीवुड की एक्ट्रेस डेजी शाह क्या सलमान खान के शो बिग बॉस 19 में नजर आएंगी? पिछले कई दिनों से ऐसी खबरें सामने आ रही थी कि वो इस रिएलिटी शो का हिस्सा बनने वाली हैं, लेकिन अब जय हो फिल्म की एक्ट्रेस ने इन खबरों को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है। डेजी शाह ने बिग बॉस 19 में शामिल होने की अटकलों पर विराम लगाते हुए इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, सभ अफवाहों पर विराम लगाते हुए। मैं बिग बॉस नहीं कर रही हूं। शायद कभी नहीं करूंगी। धन्यवाद। मालूम हो कि डेजी शाह के फैन अकाउंट्स तो ये भी अनुमान लगा रहे थे कि वो पहले से ही निर्माताओं से बातचीत कर रही हैं। हालांकि, अब उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि उनका ऐसा कोई इरादा नहीं है।

आलिया को मिली खुशखबरी!

एशियन प्रोजेक्ट मार्केट के लिए चुनी गई फिल्म डिफिकल्ट डॉटर्स

आलिया भट्ट इन दिनों सुर्खियों में हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म डिफिकल्ट डॉटर्स बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (बीआईएफएफ) के लिए चुनी गई है। डेडलाइन के मुताबिक यह फिल्म उन 30 फिल्मों में से एक है जो एशियन प्रोजेक्ट मार्केट (एपीएम) के लिए चुनी गई है। फिल्म का निर्देशन आलिया की मां सोनी राजदान ने किया है। इसकी निर्माता आलिया भट्ट, उनकी बहन शाहीन भट्ट और एलन एमसीएलेक्स हैं। डिफिकल्ट डॉटर्स एशिया भर से चुनिंदा फिल्मों में से एक है, जिसे एपीएम में प्रदर्शित किया जाएगा। इस प्रोग्राम में फिल्म निर्माता अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों और सह-निर्माताओं से जुड़ेंगे। डेडलाइन के अनुसार, इस सूची में एक और प्रोजेक्ट द लास्ट ऑफ देम प्लेग्स है। इसका निर्देशन कुंजिला ने किया है और इसका निर्माण अभिनेत्री कनी कुसरुति और पायल कपाड़िया ने किया है।

मिट्टी में मेरा किरदार राघव बिल्कुल मेरे जैसा है: इश्वाक सिंह

एक्टर इश्वाक सिंह इन दिनों वेब सीरीज मिट्टी में राघव का किरदार निभाने को लेकर चर्चाओं में हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें असल जिंदगी और शो में अपने किरदार की कहानी के बीच कुछ समानताएं महसूस होती हैं। जब इश्वाक सिंह से पूछा गया कि राघव का किरदार उनके लिए इतना खास क्यों है, तो उन्होंने कहा कि राघव की कहानी में कई बातें ऐसी थीं, जो उन्हें अपनी जिंदगी से मिलती-जुलती लगीं। सबसे पहली और अहम बात जो उन्हें राघव से जोड़ती है, वो है उनका अपने गांव और परिवार से गहरा जुड़ाव। इश्वाक ने कहा, आज हममें से कई लोग अपने काम, पढ़ाई या सपनों को पूरा करने के लिए अपने शहर या गांव से दूर रहते हैं। लेकिन, जिंदगी हमें कहीं भी ले जाए, हमारे अंदर हमेशा उस जगह की याद बनी रहती है, जहां हम पले-बढ़े हैं। मैं भी कई बार शहर बदल चुका हूं, नए घरों में रहा हूं, और अब अपने परिवार से दूर रहता हूं, जो दिल्ली में हैं। मेरे किरदार में जो परिवार से गहरे जुड़ाव की भावना है, वो मेरे असल जिंदगी में भी है। उन्होंने शो के बारे में कहा, जब मैंने मिट्टी की कहानी पढ़ी, तो यह मेरे दिल को छू गई। ऐसी कहानियां बहुत कम मिलती हैं, जो व्यक्तिगत भी हों और सबके लिए मायने भी रखें। इस शो का मुख्य किरदार राघव अपनी सफलता की तलाश में अपने पुराने रिश्तों को भूल जाता है। बाद में जब वह परिवार वालों से मिलने लौटता है, तो वही जुड़ाव उसे असली सुकून और इलाज देता है। मिट्टी की कहानी इंसान और उसके गांव के बीच खास रिश्ते पर आधारित है। सीरीज की कहानी राघव के इर्द-गिर्द घूमती है। वह एक बड़े शहर में काम करने वाला सफल एडवरटाइजिंग एग्जीक्यूटिव है। शो में दिलचस्प मोड़ तब आता है, जब वह अपने दादाजी के लिए गांव लौटता है। इसमें इश्वाक सिंह के अलावा श्रुति शर्मा, दीक्षा जुनेजा, योगेंद्र टिकू और अलका अमीन समेत अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

व्यापार और नवाचार को मिली नई दिशा

वाणिज्य मंत्रालय की पहलों से स्टार्टअप और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने पिछले सप्ताह भारत के व्यापार तंत्र को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण पहलें शुरू की हैं। पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जमीनी स्तर के उद्यमिता प्रयासों की सराहना करते हुए पोस्ट किया।

तीन श्रेणियों में दिए जाएंगे 34 पुरस्कार- मंत्रालय ने एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पुरस्कार की मेजबानी की। इसमें तीन श्रेणियों में 34 पुरस्कार दिए गए। ओडीओपी का उद्देश्य संतुलित क्षेत्रीय विकास और स्थानीय

अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। सरकार ने स्थानीय उत्पादकों को समर्थन देने और उन्हें वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एकीकृत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

भारत के वैश्विक व्यापार को बढ़ाने के लिए 61 देशों के प्रमुखों से की मुलाकात- भारत के वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने के रणनीतिक कदम के तहत, मंत्री गोयल ने 61 देशों में 74 भारतीय मिशनों के वाणिज्यिक विंग के प्रमुखों के साथ मुलाकात की। इस चर्चा में भारत की वैश्विक व्यापार रणनीति को और बेहतर बनाने और चार प्रमुख संकेतकों (केपीआई) पर जोर देने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें निवेश, ब्यपार, पर्यटन और प्रौद्योगिकी शामिल हैं।

हैवल्स की बिक्री घटी पहली तिमाही में तब भी शेयर चढ़ गए सुबह ही

मुंबई, एजेंसी। एयर कंडीशनर और कूलर-पंखा से लेकर बिजली के तार और स्विच बनाने वाली कंपनी हैवल्स के शेयर मंगलवार को चढ़ गए। हालांकि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान कंपनी के शुद्ध लाभ में 14 प्रतिशत की गिरावट हुई है। कंपनी को पहली तिमाही में 352 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था।

क्या रही शेयर की चाल- मंगलवार को बीएसई में हैवल्स इंडिया के शेयर 1555.00 रुपये पर खुले। इसके बाद बढ़ कर 1555.05 रुपये पर पहुंच गए। लेकिन यह स्तर बरकरार नहीं रह

पाया और शेयर गिरते हुए 1515 रुपये पर आ गए। हालांकि फिर यह सुधर गया। सुबह साढ़े 10 बजे इसके शेयर 1540 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। बीते सोमवार को यह 1532.05 रुपये पर बंद हुआ था।

बिक्री में आई है गिरावट

इस साल पहली तिमाही के दौरान हैवेल्स की बिक्री में 6 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह 5,438 करोड़ रुपये रही। कंपनी ने बताया कि एयर कंडीशनर, पंखे और एयर कूलर की बिक्री कम होने से ऐसा हुआ। कंपनी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अनिल राय गुप्ता ने बताया कि एयर कंडीशनर का स्टॉक ज्यादा है। इसे खत्म होने में 1-2 तिमाही लग सकती हैं।

भारत के कई एयरलाइन यात्री सुरक्षा की तुलना में प्रचार पर अधिक खर्च कर रहे, सर्वे में खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में कई एयरलाइन यात्री सुरक्षा की तुलना में प्रचार पर अधिक खर्च कर रहे हैं। अखिल भारतीय ऑनलाइन सर्वेक्षण में लगभग 76 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने यह बात कही है। लोकलसर्किल्स की ओर से किए गए ऑनलाइन सर्वेक्षण से पता चला कि इनमें से 64 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने पिछले तीन वर्षों में कम से कम एक बार कठिन उड़ान का अनुभव किया था, जिसमें टेकऑफ, लैंडिंग या उड़ान के दौरान कठिन परिस्थिति शामिल थी।

322 जिलों के लोगों की प्रतिक्रियाओं के आधार पर निकाला गया निष्कर्ष- सर्वेक्षण में 322 जिलों के लोगों से 44,000 प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं। यह सर्वेक्षण हाल ही में सामने आई हवाई और जमीनी घटनाओं के मद्देनजर काफी महत्वपूर्ण हो गया है। इनमें टाटा समूह की ओर से संचालित एयर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान दुर्घटना भी शामिल है, जो पिछले महीने अहमदाबाद से लंदन गैटविक के लिए उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड के भीतर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें विमान में सवार 242 यात्रियों में से 241 की मौत हो गई थी, इसके अलावे 19 अन्य जमीन पर मारे गए थे।

आए दिन विमानों में तकनीकी खराबी की खबर आ रही

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) दुर्घटना की जांच कर रहा है और उसने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट पहले ही प्रस्तुत कर दी है। इसके अलावा, सोमवार को एयर इंडिया की कोच्चि-

मुंबई उड़ान में सवार यात्री बाल-बाल बच गए, जब लैंडिंग के दौरान विमान रनवे से उतर गया, जिससे विमान को भारी नुकसान पहुंचा।

64 प्रतिशत यात्रियों को उड़ान के दौरान दिक्कतों का करना पड़ा सामना- रिपोर्ट के अनुसार भारत में सर्वेक्षण किए गए 64 प्रतिशत एयरलाइन यात्रियों ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में उन्हें कम से कम एक या अधिक कठिन उड़ानों का सामना करना पड़ा है, जिसमें टेकऑफ, लैंडिंग या उड़ान के दौरान कठिन अनुभव शामिल है।

एयरलाइन कंपनियां प्रचार पर अधिक सुरक्षा पर कम खर्च कर रहीं

सर्वेक्षण में सबसे पहले हवाई यात्रियों से पूछा गया, क्या आप मानते हैं कि भारत स्थित एयरलाइन्स कंपनियां सुरक्षा की तुलना में प्रचार पर अधिक खर्च कर रही हैं इस सवाल का जवाब देने वाले 26,696 लोगों में से 43 प्रतिशत ने कहा, हां, सभी; 33 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा, हां, उनमें से कुछ; 11 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा, नहीं, उनमें से कोई नहीं; विज्ञप्ति के अनुसार, एयरलाइन्स कंपनियां प्रचार पर अधिक और सुरक्षा पर कम ध्यान देती हैं।

76 प्रतिशत लोग बोले- एयरलाइंस का जोर प्रचार पर अधिक, सुरक्षा पर कम

रिपोर्ट के सारांश में कहा गया कि सर्वेक्षण में शामिल 76 प्रतिशत भारतीय एयरलाइन यात्रियों का मानना है कि कई एयरलाइन कंपनियां सुरक्षा की तुलना में प्रचार पर अधिक खर्च कर रही हैं। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले कुल उत्तरदाताओं में से 63 प्रतिशत पुरुष थे जबकि 37 प्रतिशत महिलाएं थीं। इसके अलावा, 46 प्रतिशत उत्तरदाता टियर 1 से थे, 25 प्रतिशत टियर 2 से थे, और शेष 29 प्रतिशत टियर 3, 4, 5 और ग्रामीण जिलों से थे। सर्वेक्षण में यात्रियों से यह भी पूछा गया, पिछले तीन वर्षों में, भारत स्थित एयरलाइनों पर आपकी कितनी प्रतिशत उड़ानें (उड़ान भरना, उड़ान के दौरान या लैंडिंग) आप कठिन या दर्दनाक के रूप में वर्गीकृत करेंगे लोकल सर्किल्स के अनुसार, इस प्रश्न का उत्तर देने वाले 17,630 लोगों में से 75 प्रतिशत ने 50 प्रतिशत से अधिक उड़ानों की बात कही; 6 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने 40-50 प्रतिशत उड़ानों की बात कही, अन्य 6 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने 30-40 प्रतिशत उड़ानों की बात कही, जबकि 9 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने 10-20 प्रतिशत ऐसे उड़ानों की बात कही।

ट्यूटर ने दिखा दी अक्लमंदी की ताकत खड़ा किया करोड़ों का साम्राज्य

बिजनेस की दुनिया में आ गए एक और सुब्रत रॉय

नईदिल्ली, एजेंसी। कोलकाता के टॉलीगंज में साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाले एक शिक्षक ने अपनी मेहनत और लगन से 93 करोड़ रुपये का बिजनेस एम्पायर खड़ा किया है। उनका नाम सुब्रत रॉय है। उन्होंने मूपल एनमिशन एकेडमी, हाई-टेक एनिमेशन स्टूडियो और ट्यूटोपिया जैसे सफल संस्थान बनाए हैं। उन्होंने यह सफलता अपनी शिक्षा, कला और उद्यमिता के प्रति अपने जुनून से हासिल की है। बेशक, यह कहानी सहारा इंडिया परिवार के संस्थापक सुब्रत रॉय (सहारा) की विशाल व्यापारिक यात्रा से बिल्कुल अलग है। लेकिन, दृढ़ता और छोटे से शुरुआत करके बड़ा मुकाम हासिल करने की प्रेरणा के मामले में टॉलीगंज के सुब्रत रॉय भी किसी से कम नहीं हैं। उन्होंने अपनी मेहनत से यह साबित कयिा है कि कैसे एक साधारण पृष्ठभूमि वाला व्यक्ति भी असाधारण कामयाबी हासिल कर सकता है। आइए, यहां सुब्रत रॉय की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

गरीबी से कोचिंग सेंटर तक का सफर

एक निम्न मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे सुब्रत रॉय छह भाई-बहनों में पांचवें थे। उनके पिता कश्मीर में एक निजी कंपनी में अकाउंटेंट थे। मां स्थानीय महिलाओं को सिलाई सिखाकर परिवार की कम आय को पूरा करने में मदद करती थीं। सुब्रत ने अपनी ज्यादातर पढ़ाई बांग्ला माध्यम के सरकारी स्कूलों में की। कॉलेज के वर्षों के दौरान वित्तीय कठिनाइयों का सामना करते हुए सुब्रत ने निजी ट्यूशन देना शुरू किया। उन्होंने अपने घर पर कक्षा 8 से 12 तक के छात्रों को पढ़ाया। उनकी अनूठी शिक्षण शैली ने उन्हें जल्दी ही बहुत लोकप्रिय बना दिया। जो केवल चार-पांच छात्रों के साथ एक छोटी सी कक्षा के रूप में शुरू हुआ, वह तेजी से एक बड़े कोचिंग सेंटर विवेकानंद ट्यूटोरियल होम में बदल गया। दूसरे ही साल, 1994 तक उनके पास 100 से अधिक छात्र थे और तीन-चार साल के भीतर यह संख्या 450 तक पहुंच गई।

एनिमेशन की दुनिया में एंट्री

सुब्रत ने शुरुआती सफलता से प्रेरित होकर एनिमेशन के क्षेत्र में कदम रखा। उन्होंने किसी प्रतिष्ठित संस्थान से सीखने के बजाय टॉलीगंज स्टूडियो में फिल्म उद्योग में कार्यरत ग्राफिक डिजाइनरों से प्रशिक्षण लिया। सुब्रत ने न केवल खुद कौशल हासिल किया, बल्कि अपने छात्रों को एनिमेशन सिखाकर कमाई भी की। इस अनुभव का नतीजा 1996 में एनिमेशन एकेडमी की स्थापना था। यही बाद में मूपल एनिमेशन एकेडमी के रूप में विकसित हुआ। इसी दौरान सुब्रत की मुलाकात संचयिता से हुई। बाद में संचयिता सुब्रत की पत्नी बनीं। उन्होंने सुब्रत की व्यवसाय में मदद शुरू कर दी। कोचिंग कक्षाओं का प्रबंधन संभाला। वहीं, सुब्रत एनिमेशन एकेडमी को आगे बढ़ाने पर फोकस करने लगे।

सुब्रत की व्यावसायिक समझ तब और विकसित हुई जब उन्होंने 2012 में 1500 वर्ग फीट के किराए के फ्लैट से हाई-टेक एनिमेशन स्टूडियो की स्थापना की। यह उनके दूसरे प्रमुख उद्यम की शुरुआत थी। कंपनी का बनाया राजनीतिक व्यंग्य एक प्रमुख चैनल पर दिखाया गया। यह बहुत सफल रहा। इस सफलता ने सुब्रत को एनिमेशन प्रोडक्शन की आकर्षक क्षमता को समझने में मदद की। उन्होंने कोलकाता भर के कई अन्य टेलीविजन नेटवर्कों को पिच करना शुरू किया। जल्द ही उनकी सेवाओं की लगभग हर स्थानीय टीवी स्टेशन पर मांग थी। बाद में उन्होंने बच्चों के प्रोग्राम्स पर फोकस किया। मुंबई मुख्यालय में डिज्नी, निकलोडियन, कार्टून नेटवर्क और पोगो जैसे प्रमुख नेटवर्कों से संपर्क किया। शुरुआती अस्वीकृति के बावजूद उनकी दृढ़ता रंग लाई जब उन्होंने मुंबई के स्टूडियो को आश्वस्त किया कि बंगाल में उत्पादन लागत काफी कम है। इससे उन्हें काफी कॉन्ट्रैक्ट मिले। 2018 में सोनी ने उन्हें सीधे कार्टून सीरीज गुरु और भोले बनाने का काम सौंपा। इससे उनका स्टूडियो राष्ट्रीय एनिमेशन बाजार में विश्वसनीय खिलाड़ी के रूप में स्थापित हो गया।

आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय के वार्षिक दीक्षांत समारोह 2025 में 423 स्नातकों को सम्मानित किया गया

वैश्विक मान्यता और शैक्षणिक उत्कृष्टता पर प्रकाश डाला गया

जयपुर, एजेंसी। मुख्य अतिथि राजस्थान के माननीय राज्यपाल, श्री हरिभाऊ किशनराव बागड़े ने कहा, मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले सभी चार छात्र छात्राएँ थीं। उन्होंने सभी स्नातक छात्रों से अनुरोध किया कि वे पिछले दो वर्षों में अर्जित ज्ञान और कौशल को राष्ट्र निर्माण के नेक कार्य में लगाएँ। मैं यह भी सुझाव देता हूँ कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों और संस्थानों के साथ सहयोग करें। पारंपरिक और आधुनिक ज्ञान को एकीकृत करके, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2022 का उद्देश्य छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देना है। स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में महिला सशक्तिकरण का एक शक्तिशाली प्रतिबिंब प्रदर्शित करते हुए, आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय का वार्षिक दीक्षांत समारोह एक मील का पत्थर साबित हुआ, जिसमें 58त्न स्नातक महिलाएँ थीं, जो स्वास्थ्य सेवा शिक्षा में प्रगति का एक मजबूत संकेत है। गणमान्य व्यक्तियों और छात्रों का स्वागत करते हुए, आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. पीआर सोडानी ने कहा, मैं अपने स्नातक छात्रों को हार्दिक बधाई देता हूँ। 423 स्नातक छात्रों में से 247 महिलाएँ थीं, जिनमें 176 पुरुष छात्र थे।

हमेशा याद रखें कि आप आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय के राजदूत हैं। आप जहाँ भी जाएँ, शिक्षा, नवाचार और प्रभावशाली अनुसंधान में उत्कृष्टता की हमारी विरासत को साथ लेकर जाएँ। स्नातक छात्रों के लिए मेरा मुख्य संदेश है कि वे ईमानदारी से नेतृत्व करें और करुणा के साथ सेवा करें। विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट साझा करते हुए, उन्होंने कहा कि आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय ने स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में सुधार के लिए भारत सरकार, राजस्थान सरकार और अन्य राज्य सरकारों के लिए विभिन्न अध्ययन किए। डॉ. सोडानी ने कहा, इस वर्ष का प्लेसमेंट सीज़न विश्वविद्यालय के लिए एक और मील का पत्थर साबित हुआ। उच्चतम पैकेज 28.56 एलपीए रहा, जिसमें 11 छात्रों ने संयुक्त अरब अमीरात, केन्या, इंडोनेशिया और कांगो में अंतर्राष्ट्रीय प्लेसमेंट हासिल किया, डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी, औषधि महानियंत्रक, भारत ने मुख्य अतिथि के रूप में कहा, भारत वैश्विक स्वास्थ्य सेवा मूल्य श्रृंखला का एक अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है। हम दुनिया भर के 200 से अधिक देशों को दवाइयाँ और प्रशिक्षित मानव संसाधन प्रदान करते हैं। स्वास्थ्य सेवा केवल एक व्यवस्था नहीं है, बल्कि सभी के लिए देखभाल, सम्मान और समानता का वादा है। इसे निष्ठापूर्वक बनाए रखें, विनम्रता से नेतृत्व करें और हृदय से सेवा करें।

चॉइस इंटरनेशनल ने पहली तिमाही के शानदार वित्तीय प्रदर्शन के साथ पकड़ी गति

मुंबई, एजेंसी। चॉइस इंटरनेशनल लिमिटेड जो देश भर में परिचालित अग्रणी वित्तीय सेवा कंपनियों में से एक है, ने 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के अपने परिणामों की घोषणा की है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में कुल आय रु. 238 करोड़ दर्ज की, जो साल-दर-साल 16 प्रतिशत की वृद्धि है, जबकि कर पश्चात लाभ सालाना स्तर पर 50 प्रतिशत बढ़ा है। कारोबारी स्तर पर, स्टॉक ब्रोकिंग का योगदान कुल आय में 60 प्रतिशत, एडवाइजरी (परामर्श) का 24 प्रतिशत और एनबीएफसी का योगदान 16 प्रतिशत रहा। डीमैट खातों की संख्या 11.50 लाख रही, जो साल-दर-साल 29 प्रतिशत की वृद्धि है। स्टॉक ब्रोकिंग के अंतर्गत ग्राहकों की संपत्ति 47.8 हज़ार करोड़ रुपये रही, जिसमें सालाना आधार पर 16 प्रतिशत की आश्चर्यजनक वृद्धि दर्ज हुई। संपत्ति प्रबंधन से जुड़े उत्पादों का एयूएम 4,769 करोड़ रुपये तक पहुंचा, जो 443 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि है। बीमा प्रीमियम रु. 76 करोड़ रहा, जिसमें सालाना आधार पर 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि बेची गई पॉलिसियों की संख्या 39,182 रही, जो सालाना 46 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के अंत में एनबीएफसी खंड के लिए कुल ऋण पुस्तिका 745 करोड़ रुपये रही, जिसमें खुदरा ऋण पुस्तिका 596 करोड़ रुपये की रही और 30 जून, 2025 तक शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनएनपीए) 2.25 प्रतिशत रहीं। सलाहकार खंड की ऑर्डर पुस्तिका 586 करोड़ रुपये रही।

एथर एनर्जी के पास मध्य प्रदेश में 25 एक्सपीरियंस सेंटर हुए

भोपाल। भारत के अग्रणी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर निर्माता, एथर एनर्जी लिमिटेड के पास मध्य प्रदेश में 25 एक्सपीरियंस सेंटर हो गए हैं। कंपनी ने अपना 25वाँ एक्सपीरियंस सेंटर मंदसौर में खोला है। एथर कंपनी पिछले कुछ महीनों से मध्य प्रदेश में अपना विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, ताकि राज्य में एथर के इलेक्ट्रिक स्कूटरों, खासकर इसके फैमिली स्कूटर, रिज़्टा की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके।

एथर ने पिछले दो महीनों में मध्य प्रदेश में 07 नए एक्सपीरियंस सेंटर, ग्वालियर, भोपाल, बैतूल, शिवपुरी, रतलाम, छतरपुर और मंदसौर में खोले हैं। राज्य में इलेक्ट्रिक स्कूटरों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए एथर द्वारा आने वाले महीनों में और ज्यादा एक्सपीरियंस सेंटर खोलकर अपनी पहुँच का विस्तार किया जाएगा। इन एक्सपीरियंस सेंटर्स के अलावा, मध्य प्रदेश में वर्तमान में एथर के 20 सर्विस सेंटर (एससी) काम कर रहे हैं, जिनमें इंदौर का 01 गोल्ड सर्विस सेंटर शामिल है। इन एक्सपीरियंस सेंटर्स पर, ग्राहक एथर 450 परफॉर्मेंस स्कूटर और एथर का पहला पारिवारिक स्कूटर, रिज़्टा, खरीद सकते हैं। इलेक्ट्रिक स्कूटर के इकोसिस्टम को मजबूत बनाने और इलेक्ट्रिक स्कूटर के मालिकों को सुगम अनुभव प्रदान करने के लिए, एथर ने पूरे राज्य में एथर ग्रिड फास्ट चार्जिंग नेटवर्क भी स्थापित किया है। 31 मार्च, 2025 तक मध्य प्रदेश में 72 एथर ग्रिड फास्ट-चार्जर हैं। एथर ग्रिड भारत का सबसे विस्तृत टू-व्हीलर फास्ट चार्जिंग नेटवर्क है। 31 मार्च 2025 तक, एथर द्वारा भारत में 3,578 फास्ट चार्जर और नेबरहुड चार्जर स्थापित किए जा चुके थे। एथर एनर्जी लिमिटेड के चीफ बिज़नेस ऑफिसर, श्री रवनीत सिंह फोकेला ने कहा, मिध्य प्रदेश में इलेक्ट्रिक स्कूटर लगातार बढ़ रहे हैं। पिछले एक साल में, खासकर रिज़्टा के लॉन्च के बाद, इस राज्य में हमारा बाजार अंश बहुत बढ़ गया है।

17 साल, एक कलर्स, अनगिनत कहानियाँ

मुंबई, एजेंसी। 2008 में जब कलर्स की शुरुआत हुई, तो भारतीय टेलीविजन के कैनवास पर कहानी कहने का एक नया युग शुरू हुआ। इसने परंपराओं को तोड़ा और हिंदी जीईसी (जनरल एंटरटेनमेंट चैनल) की परिभाषा ही बदल दी। बीते 17 वर्षों में कलर्स ने टीवी स्क्रीन ही नहीं, दिलों को भी उन कहानियों से रंगा जो सच में मायने रखती हैं — बाल विवाह जैसे मुद्दे उठाने वाले बालिका वधू से लेकर लैंगिक भेदभाव को चुनौती देने वाली शक्ति तक, और बिग बॉस, खतरों के खिलाड़ी, तथा हालिया हिट लाफ्टर शेफ्स-अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट जैसे रियलिटी शोज तक। हमने हमेशा ऐसे अनसुने नायकों का सम्मान किया है जो शांत लेकिन अडिग साहस के प्रतीक हैं। चाहे वो आनंदी हों या बोंदिता, मन्नत हो या मंगल — इन नायिकाओं ने सिर्फ अपने लिए नहीं, समाज के लिए भी बदलाव की मशाल जलाई है। कलर्स का यह जज्बा आज भी कायम है। चैनल की 17वीं वर्षगांठ पर, जियोस्टार के प्रवक्ता श्री आलोक जैन ने कहा, जब कलर्स 17 साल का हुआ है, हम एक ऐसी विरासत का जश्न मना रहे हैं जिसने हिंदी मनोरंजन की दुनिया को फिर से परिभाषित किया है और देश भर में बहस को जन्म दिया है। टेलीविजन आज भी दर्शकों का विश्वसनीय साथी है, और कलर्स ने हमेशा भारतीय जीवन के विविध रंगों और ऐसे पात्रों की कहानियाँ दिखाई हैं जो परिवार जैसे लगते हैं। सामाजिक यथार्थ हमारे कंटेंट का मूल रहा है — जिसने दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ा और सोचने पर मजबूर किया। प्रभावशाली पारिवारिक गाथाओं और पौराणिक महाकाव्यों से लेकर सामाजिक नाटकों, रोमांस, रियलिटी शो और कलिनरी कॉमेडी तक, हमारा कंटेंट भारत की समृद्ध विविधता और उभरती धड़कनों को सही तरीके से प्रस्तुत करता है। मनपसंद की शादी, जो परिवार, पसंद और परंपरा का जश्न मनाते हैं; धाकड़ बीरा, जो साहस और भाई-बहन के प्यार को सामने लाता है, और पति-पत्नी और पंगा - जोड़ियों का रियलिटी चेक, जो आधुनिक रिश्तों में एक मजेदार मोड़ लाता है - जैसे नए ओरिजिनल शो के साथ हम अपने दर्शकों के साथ लगातार आगे बढ़ रहे हैं।

बूम बूम बुमराह का फिर चलेगा मैजिक...

मैनचेस्टर टेस्ट में बना सकते हैं 2 धाकड़ रिकॉर्ड, पीछे छूटेंगे वसीम अकरम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच बुधवार (23 जुलाई) से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर टेस्ट मुकाबला खेला जाना है. इस मुकाबले में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के भी खेलने की संभावना है. बुमराह ने लीड्स और लॉर्ड्स में खेले गए मुकाबलों में हिस्सा लिया था, जबकि बर्मिंघम टेस्ट मैच से वो बाहर रहे थे. टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने साफ कर दिया था कि बुमराह वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत इंग्लैंड दौरे पर केवल तीन टेस्ट मैच खेलेंगे. ऐसे में बुमराह इस दौरे पर शायद अपना आखिरी मैच खेलते नजर आ सकते हैं. मोहम्मद सिराज ने सोमवार को मैनचेस्टर में कहा, अभी तक हम केवल इतना जानते हैं कि जस्सी (बुमराह) भाई खेलेंगे. उनसे भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के बारे में पूछा गया था, क्योंकि आकाश दीप और अर्शदीप सिंह चोटिल हैं. जसप्रीत बुमराह मैनचेस्टर टेस्ट मैच में दो बड़े रिकॉर्ड भी अपने नाम कर सकते हैं. बुमराह के पास इंग्लैंड में सबसे ज्याद टेस्ट विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज बनने का है. बुमराह ने इंग्लैंड में अब तक 11 टेस्ट मैचों में 49 विकेट लिए हैं. पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम फिलहाल इंग्लैंड में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले एशियाई बॉलर हैं. अकरम ने इंग्लैंड में 14 टेस्ट मैच खेलकर 53 विकेट लिए थे. यानी बुमराह को अकरम का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए सिर्फ 5 विकेट और चाहिए.

पहले ये अनुमान लगाया जा रहा था कि जसप्रीत बुमराह मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर होने वाले टेस्ट मैच से रेस्ट लेंगे, जबकि ओवल टेस्ट मैच में वो खेलेंगे. लेकिन आकाश दीप और अर्शदीप सिंह के इंजर्ड होने के चलते बुमराह को अब शायद आराम नहीं मिलेगा. अर्शदीप बाएं हाथ के अंगूठे में लगी चोट के कारण चौथे टेस्ट से बाहर हो चुके हैं. वहीं आकाश दीप का खेलना काफी मुश्किल है, जो ग्रोइन इंजरी से जूझ रहे हैं.

सेना कंट्रीज में सर्वाधिक पांच विकेट वॉल (एशियाई गेंदबाज)

जसप्रीत बुमराह (भारत)- 33 टेस्ट, 157 विकेट, 11 बार 5 विकेट हॉल

वसीम अकरम (पाकिस्तान)- 32 टेस्ट, 146 विकेट, 11 बार 5 विकेट हॉल

मुथैया मुरलीधरन (श्रीलंका)- 23 टेस्ट, 125 विकेट, 10 बार 5 विकेट हॉल

बता दें कि इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में जसप्रीत बुमराह दो बार पारी में पांच विकेट हॉल ले चुके हैं. ये पांच विकेट हॉल उन्होंने लीड्स और लॉर्ड्स टेस्ट मैच में लिए थे. अब बुमराह का मैजिक मैनचेस्टर टेस्ट मैच में भी देखने को मिल सकता है. फिलहाल टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड 1-2 से आगे है. ऐसे मैनचेस्टर टेस्ट जीतकर भारतीय टीम के पास सीरीज को 2-2 से बराबरी करने का मौका है. हालांकि इसके लिए शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम को तीनों डिपार्टमेंट में अच्छा प्रदर्शन करना होगा.

वसीम अकरम का ये रिकॉर्ड भी तोड़ेंगे बुमराह?

जसप्रीत बुमराह के पास वसीम अकरम को एक और मामले में पछाड़ने का मौका है. दरअसल बुमराह अब तक सेना (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) कंट्रीज में 11 बार टेस्ट पारी में 5 या उससे ज्यादा विकेट ले चुके हैं. अकरम के नाम भी सेना कंट्रीज में इतने ही पांच विकेट हॉल हैं. फिलहाल बुमराह और अकरम सेना कंट्रीज में सबसे ज्यादा बार पांच विकेट हॉल लेने वाले एशियाई गेंदबाजों की सूची में संयुक्त रूप से टॉप पर हैं. अगर बुमराह मैनचेस्टर टेस्ट में 5 विकेट हॉल ले लेते हैं, तो वो सेना कंट्रीज में सबसे ज्यादा बार टेस्ट पारी में पांच विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाजों में अकेले टॉप पर काबिज हो जाएंगे.

विराट कोहली ने की इंग्लैंड के खिलाड़ी की मदद, दोहरा शतक ठोका, बनाए 848 रन

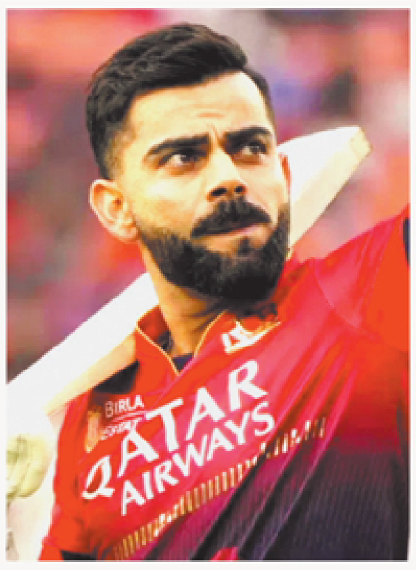

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के क्रिकेटर हसीब हमीद इस वक्त कमाल की फॉर्म में हैं. इस खिलाड़ी ने काउंटी चैंपियनशिप में कमाल का प्रदर्शन किया है. नॉटिंघमशर के कप्तान ने अब खुलासा किया है कि उनकी बैटिंग में तो दम दिखाई दे रहा है उसका श्रेय विराट कोहली को भी जाता है. हसीब हमीद ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि विराट कोहली ने उनकी काफी मदद की है. बल्लेबाजी को लेकर उनका जो भी सवाल था उसका उन्हें विराट से जवाब मिला. हसीब हमीद ने बताया कि खुद विराट कोहली ने उन्हें अपना फोन नंबर देकर कहा कि जब जरूरत हो फोन कर लेना.

विराट ने की हमीद की मदद

विराट कोहली ने कैसे और क्यों हसीब हमीद की मदद की इसपर इंग्लैंड के इस क्रिकेटर ने कहा, 'विराट कोहली हमेशा से ही काफी मददगार रहे हैं. जब भी मुझे बल्लेबाजी को लेकर कुछ पूछना होता था तो उन्होंने मेरी मदद की. मैं उनका काफी सम्मान करता हूं. उन्होंने मुश्किल वक्त पर मेरी मदद की है.' हमीद ने कहा कि साल 2016 में हुए राजकोट टेस्ट के बाद खुद विराट कोहली ने उन्हें अपना नंबर देकर मदद की पेशकश की जो कि उनके बड़प्पन को दिखाता है.

हसीब हमीद 3 सालों से इंग्लैंड की टीम से बाहर

हसीब हमीद ने साल 2016 में टेस्ट डेब्यू किया था और वो 2022 के बाद से इंग्लैंड की टीम से बाहर हैं. दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 10 मैचों में 439 रन बनाए, उनके बल्ले से 4 अर्धशतक निकले. हमीद का औसत सिर्फ 24.38 का रहा और इसीलिए उन्हें इंग्लिश टीम से हटा दिया गया. लेकिन यहां बड़ी बात ये है कि जब वो इंग्लैंड की टीम में आए थे उस वक्त उनकी उम्र सिर्फ 19 साल थी. अब ये खिलाड़ी 28 साल का है और उनकी बल्लेबाजी में मैच्योरिटी आ चुकी है.इसका सबूत उन्होंने काउंटी चैंपियनशिप में भी दिया है. काउंटी चैंपियनशिप 2025 डिविजन वन में हसीब हमीद नॉटिंघमशर की कप्तानी कर रहे हैं और उन्होंने 70.66 की औसत से 848 रन ठोक दिए हैं. हमीद के बल्ले से एक दोहरा शतक और एक शतक निकला है जिसमें 121 चौके शामिल हैं. साफ है हमीद इस वक्त प्राइम फॉर्म में हैं और उन्हें इंग्लैंड की टीम में वापसी का इंतजार है.

युवाओं की फिटनेस में गिरावट पर एमएस धोनी ने जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। धोनी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह फिटनेस को लेकर अपनी राय रखते नजर आ रहे हैं। धोनी ने रांची में एक कार्यक्रम में बोलते हुए बताया कि अपनी बेटी के साथ भी वे शारीरिक गतिविधि को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियों को शामिल करने का सचेत प्रयास करते हैं। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने भारत में युवाओं की फिटनेस में गिरावट पर चिंता जाहिर की है। रांची में एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने बताया कि अपनी बेटी के साथ भी वे शारीरिक गतिविधि को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियों को शामिल करने का सचेत प्रयास करते हैं। 44 साल के धोनी का फिटनेस पर काफी जोर रहा है और वह अभी भी मैदान पर फिट नजर आते हैं।

धोनी ने 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था, लेकिन वह अभी भी आईपीएल में खेलते हैं। धोनी इस उम्र में भी विकेट के पीछे काफी तेज रहते हैं और बल्लेबाज को चकमा देने का मौका नहीं छोड़ते हैं। धोनी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह फिटनेस को लेकर अपनी राय रखते नजर आ रहे हैं। हालांकि धोनी अपनी अनुशासित दिनचर्या के साथ उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, लेकिन हाल ही में उन्होंने भारतीयों, विशेषकर बच्चों में फिटनेस के स्तर में गिरावट पर चिंता व्यक्त की।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने ब्रायन म्ब्यूमो के साथ 5 साल का अनुबंध किया

लंदन, एजेंसी। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने ब्रेंटफोर्ड के फॉरवर्ड ब्रायन म्ब्यूमो के साथ जून 2030 तक के लिए अनुबंध किया है। यह अनुबंध 65 मिलियन पाउंड (करीब 88 मिलियन अमेरिकी डॉलर) में हुआ, जिसमें एक साल के विस्तार का विकल्प भी शामिल है।

कैमरून के अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी म्ब्यूमो इस समर ट्रांसफर विंडो में यूनाइटेड की ओर से साइन किए गए तीसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले क्लब ने स्ट्राइकर मैथियस कुन्हा और डिफेंडर डिएगो लियोन को टीम में शामिल किया था। म्ब्यूमो ने क्लब की आधिकारिक वेबसाइट पर कहा, जैसे ही मुझे पता चला कि मैनचेस्टर यूनाइटेड में शामिल होने का मौका है, मैंने अपने सपनों के क्लब के में शामिल होने का फैसला किया। मैं बचपन में इस टीम की जर्सी पहनता था। उन्होंने आगे कहा, मेरी हमेशा यही सोच होती है कि मैं कल से बेहतर बनूं। पता है कि मुझमें वह जज्बा है, जिससे मैं यहां एक नया स्तर हासिल कर सकता हूं। सभी ने मुझे यहां बन रहे माहौल और भविष्य के लिए रोमांचक योजनाओं के बारे में बताया। यह शानदार स्टेडियम और जबरदस्त फैंस के साथ एक बड़ा क्लब है।

हम सभी सबसे बड़े खिताबों के लिए चुनौती पेश करने को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। म्ब्यूमो गुरुवार से शुरू हो रहे मैनचेस्टर यूनाइटेड के अमेरिका दौरे का हिस्सा हो सकते हैं, जो प्री-सीजन के तहत आयोजित किया जा रहा है। ब्रायन म्ब्यूमो ने ब्रेंटफोर्ड के लिए 242 मुकाबलों में 70 गोल करने के साथ 51 असिस्ट दिए। इनमें से 20 गोल पिछले सीजन में आए।

पिछले सीजन में 25 वर्षीय म्ब्यूमो ने प्रीमियर लीग में 20 गोल दागे, जो लीग में चौथे सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड था। इसके साथ ही उन्होंने 8 असिस्ट भी दिए। ब्रेंटफोर्ड के शीर्ष लीग में प्रमोशन के बाद से, म्ब्यूमो ने प्रति सीजन औसतन 18 गोल किए, जो एक बेहद प्रभावशाली रिकॉर्ड है।

शतरंज विश्व कप 2025 की मेजबानी भारत को मिलना गौरव का पल : मनसुख मांडविया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत 30 अक्टूबर से 27 नवंबर तक शतरंज विश्व कप 2025 की मेजबानी करेगा। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को भारत को मेजबानी मिलने पर खुशी जाहिर की। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने भारत को फिडे विश्व कप 2025 की मेजबानी मिलने पर खुशी जताते हुए इसे गौरव का पल बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 30 अक्टूबर से 27 नवंबर तक प्रतिष्ठित फिडे विश्व कप 2025 की मेजबानी करना भारत के लिए अत्यंत गौरव की बात है।

यह ऐतिहासिक आयोजन भारत की शतरंज यात्रा में एक नई ऊंचाई का प्रतीक है और वैश्विक शतरंज की बिसात पर हमारे बढ़ते कद को दर्शाता है। इससे पहले फिडे ने भारत की मेजबानी की घोषणा की। वहीं, मेजबान शहरों की घोषणा बाद में की जाएगी। 2025 विश्व कप में शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगे, जो विश्व शतरंज चैंपियनशिप के लिए दावेदार का निर्धारण करेगा। फिडे ने एक बयान में कहा, प्रतिष्ठित फिडे विश्व कप इस साल भारत आ रहा है।

30 अक्टूबर से 27 नवंबर, 2025 तक आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी 2026 फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के प्रतिष्ठित खिताब और क्वालिफिकेशन स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। मेजबान शहर की घोषणा सहित अन्य विवरण समय आने पर जारी किए जाएंगे। भारत ने हाल ही में कई बड़े आयोजनों की मेजबानी की है, जिनमें फिडे शतरंज ओलंपियाड 2022, टाटा स्टील शतरंज इंडिया, फिडे विश्व जूनियर अंडर-20 चैंपियनशिप 2024 और फिडे महिला ग्रां प्री का पांचवां चरण (अप्रैल 2025) शामिल हैं।

फिडे के सीईओ एमिक सुतोव्स्की ने कहा, हम फिडे विश्व कप 2025 को भारत में लाकर रोमांचित हैं, एक ऐसा देश जहां शतरंज के प्रति गहरा जुनून और समर्थन है। भारतीय शतरंज प्रशंसकों का उत्साह हमेशा उल्लेखनीय रहा है और हमें उम्मीद है कि स्थानीय शतरंज प्रेमियों में, ऑन-साइट और ऑनलाइन, इस आयोजन में गहरी रुचि होगी।

अनुभव को बेहतर बनाने के लिए, फिडे टूर्नामेंट के प्रतिभागियों और शतरंज के दिग्गजों को शामिल करते हुए कई अतिरिक्त कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

वीनस विलियम्स ने 16 महीने के अंतराल के बाद जीता पहला पेशेवर मैच

वॉशिंगटन, एजेंसी। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स ने 16 महीनों के लंबे अंतराल के बाद अपना पहला पेशेवर टेनिस मैच जीत लिया है। विलियम्स ने हैली बैप्टिस्ट के साथ जोड़ी बनाते हुए डीसी ओपन के पहले दौर में डबल्स वाइल्ड कार्ड जोड़ी यूजिनी बूचार्ड और क्लरवी नगुनुए को शिकस्त दी। यह एक बड़ा उलटफेर था। 3-1 से पिछड़ने और ब्रेक प्वाइंट का सामना करने के बाद, वीनस और बैप्टिस्ट ने वापसी करते हुए आखिरी 12 में से 11 गेम जीते। साल 2022 में पहले दौर में हार के बाद, यह डीसी टूर्नामेंट में वीनस की दूसरी उपस्थिति है।

45 वर्षीय पूर्व विश्व नंबर-1 वीनस विलियम्स ने इस टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड एंट्री ली थी। उन्होंने मार्च 2024 के मियामी ओपन के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला था। उनकी पिछली जीत अगस्त 2023 में सिनसिनाटी ओपन में आई थी। वीनस ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, कोर्ट पर वापसी प्रेरणादायक थी। मुझे अब भी यह खेल बेहद पसंद है। मैं अब भी दमदार शॉट्स लगा रही हूं। मुझे पहले ही प्वाइंट से लग गया था कि हम एक अच्छी टीम हैं। हमें वर्षों पहले ही यह जोड़ी बना लेनी चाहिए थी।

वर्तमान में वीनस की कोई आधिकारिक रैंकिंग नहीं है। उन्होंने अपनी बहन सेरेना विलियम्स के साथ मिलकर महिला डबल्स में 14 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। विलियम्स बहनों ने कई वर्षों तक टेनिस की दुनिया पर दबदबा बनाए रखा है। मंगलवार को वीनस सिंगल्स प्रतियोगिता के पहले दौर में एक और अमेरिकी खिलाड़ी, पेटन स्टर्न्स का सामना करेंगी। इस मुकाबले में वाइल्ड कार्ड एंट्री के साथ कोर्ट पर उतरते ही वीनस डब्ल्यूटीए टूर-स्तरीय मुख्य ड्रॉ में खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएंगी। इससे पहले 46 वर्ष की उम्र में किमिको डेटे ने सात साल पहले टोक्यो में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं, पुरुष एकल में ब्रिटेन के डैन इवांस और कैमरन नॉरी वाशिंगटन में दूसरे दौर में पहुंच गए हैं। साल 2023 में वाशिंगटन का खिताब जीतने वाले इवांस ने जिजो बर्ग्स के खिलाफ 3-6, 6-4, 6-3 से कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। 35 वर्षीय वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी का अगला मुकाबला 13वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी एलेक्स मिशेलसन से होगा। इस बीच, कैमरून नोरी ने ब्रिटिश क्वालीफायर बिली हैरिस को 6-3, 7-6 (7-4) से हराया और दूसरे दौर में उनका सामना फ्रेंच ओपन सेमीफाइनलिस्ट और दूसरी वरीयता प्राप्त इटली के लोरेंजो मुसेट्टी से होगा।

सोलन की निधि ठाकुर ने 800 मीटर दौड़ व सिरमौर की दीक्षिता ने किक बॉक्सिंग में जीता स्वर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी। सोलन जिले की निधि ठाकुर ने बिहार के पटना में राष्ट्रीय स्तर की ओपन एथलेटिक्स मीट में गोल्ड मेडल हासिल किया है। निधि ने 800 मीटर की दौड़ में सफलता हासिल की। बीते एक वर्ष से निधि ऊना में खेल विभाग के कोच राकेश चौधरी के पास प्रशिक्षण हासिल कर रही हैं। ऊना कॉलेज में एमए अंग्रेजी की द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं। निधि इससे पहले बिलासपुर में भी राकेश चौधरी से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं थी। उनका तबादला यहां होने के बाद से वह अपने उम्दा प्रदर्शन को जारी नहीं रख पाईं। आखिरकार बीते वर्ष निधि यहां ऊना आकर फिर से कोच राकेश से प्रशिक्षण पाकर कड़ी मेहनत में जुट गई। अब राष्ट्रीय स्तर की ओपन प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल हासिल किया। निधि सोलन के अर्की तहसील के गांव खनोल की रहने वाली हैं, उनके पिता जतिंदर ठाकुर पेशे से चालक हैं माता सुनीता ठाकुर हैं।

वहीं छत्तीसगढ़ में हुई राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में दीक्षिता चौहान ने गोल्ड मेडल जीता है। उनका चयन आबूधाबी में नवंबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए हुआ है। मूल रूप से टिक्कर डिसवानी निवासी दीक्षिता चौहान ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया है।

वूमेंस चेस कप:

टाईब्रेकर में जीत से दिव्या शतरंज विश्वकप के सेमीफाइनल में, हमवतन हरिका को दी मात

नई दिल्ली, एजेंसी। दिव्या ने टाईब्रेकर की पहली बाजी सफेद मोहरों से, जबकि दूसरी बाजी काले मोहरों से जीतीं। दोनों के बीच क्लासिकल प्रारूप की बाजियां बराबरी पर छूटी थीं। दिव्या पहली बार विश्वकप में खेल रही हैं। अंतरराष्ट्रीय मास्टर दिव्या देशमुख ने शतरंज विश्वकप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

उन्होंने टाईब्रेकर में हमवतन द्रोणावल्ली हरिका को हराया। 19 साल की दिव्या ने टाईब्रेकर की पहली बाजी सफेद मोहरों से, जबकि दूसरी बाजी काले मोहरों से जीतीं। दोनों के बीच क्लासिकल प्रारूप की बाजियां बराबरी पर छूटी थीं। दिव्या पहली बार विश्वकप में खेल रही हैं। दिव्या से पहले 37 वर्षीय कोनेरू हंपी भी सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं। दिव्या की सेमीफाइनल में चीन की तान जोंगयी से और हंपी की चीन की ही ली टिंग जी से टक्कर होगी।

शीर्ष तीन को मिलेगा कैंडिडेट्स का टिकट

यह पहली बार है जब दो भारतीय खिलाड़ियों ने विश्वकप के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। हंपी और दिव्या के पास कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने का बेहतरीन मौका है। शीर्ष तीन खिलाड़ियों को कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में प्रवेश मिलना है।

केनेडियन ओपन:

सिनर और जोकोविच के बाद कार्लोस अल्कारेज भी टोरंटो मास्टर्स से हटे

टोरंटो, एजेंसी। अल्कारेज से पहले दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर, छठे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और पांचवें नंबर के खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने अगले सप्ताह शुरू होने वाली इस हार्ड कोर्ट प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया था। विश्व के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज ने टोरंटो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है।

वर्ष के आखिरी ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन की तैयारियों से पहले इस एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में अल्कारेज के नहीं खेलने से इसकी चमक फीकी पड़ गई है। अल्कारेज पहले ऐसे खिलाड़ी नहीं है जिन्होंने इस टूर्नामेंट से नाम वापस लिया है। अल्कारेज से पहले दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर, छठे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और पांचवें नंबर के खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने अगले सप्ताह शुरू होने वाली इस हार्ड कोर्ट प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया था।

पांच बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन अल्कारेज विंबलडन के फाइनल में सिनर से हार गए थे और इस तरह से ऑल इंग्लैंड क्लब में लगातार तीसरा खिताब जीतने से चूक गए थे।

यूएस ओपन:

ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने यूएस ओपन से नाम वापस लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया में छठी रैंकिंग की खिलाड़ी झेंग पिछले महीने विंबलडन में पहले दौर में हार गई थीं। झेंग ने कहा कि उन्हें लग रहा था कि उन्हें ठीक होने में महीनों लगेंगे, इसलिए यह सुनिश्चित हो गया था कि वह 24 अगस्त से शुरू होने वाले अमेरिकी ओपन में भाग नहीं ले पाएंगी। ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन ने वर्ष के अंतिम ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन से नाम वापस ले लिया है। झेंग कोहली की चोट से जूझ रही हैं जिस कारण वह इस टेनिस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। यूएस ओपन 24 अगस्त से शुरू होगा। चीन की इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने दो दिन पहले घोषणा की थी कि उनकी दाहिनी कोहनी की लगातार दर्द के कारण आर्थोस्कोपिक सर्जरी हुई है। दुनिया में छठी

रैंकिंग की खिलाड़ी झेंग पिछले महीने विंबलडन में पहले दौर में हार गई थीं। झेंग ने कहा कि उन्हें लग रहा था कि उन्हें ठीक होने में महीनों लगेंगे, इसलिए यह सुनिश्चित हो गया था कि वह 24 अगस्त से शुरू होने वाले अमेरिकी ओपन में भाग नहीं ले पाएंगी। यूएस ओपन में उनकी जगह फ्रांस की लेओलिया जीनजीन को मुख्य ड्रॉ में शामिल किया गया है।

भारत की सतत आर्थिक वृद्धि उसे वैश्विक स्थिरता का आधार बनाती है : नीति आयोग के वीसी

» संयुक्त राष्ट्र, भाषा।

नीति आयोग के वाइस चेयरमैन (वीसी) सुमन बेरी ने कहा कि भारत की सतत आर्थिक वृद्धि उसे विश्व के लिए स्थिरता का आधार बनाती है। विश्व को ऐसे नए इंजन और विकास मॉडल की आवश्यकता है जिन्हें बढ़ाया एवं साझा किया जा सके और भारत ये तीनों चीजें देने के लिए तैयार है। बेरी ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में सतत विकास लक्ष्यों के लिए उच्च स्तरीय राजनीतिक मंच के मंत्रिस्तरीय सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि विश्व महत्वपूर्ण आर्थिक बदलावों और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है जिससे सतत विकास लक्ष्यों पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का सामूहिक कार्य पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। बेरी ने कहा, दुनिया को स्थिरता के आधार, विकास के नए इंजन और ऐसे विकास मॉडल की जरूरत है जिन्हें बढ़ाया और साझा किया जा सके। भारत अपनी अनूठी ताकत एवं अनुभव के साथ ए तीनों चीजे मुहैया कराने को तैयार और इच्छुक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की सतत आर्थिक वृद्धि उसे वैश्विक समुदाय के लिए स्थिरता का आधार बनाती है तथा यह इस बात का उदाहरण है कि क्या संभव है।

बेरी ने कहा कि इस परिवर्तनशील युग में, भारत एक जीवंत लोकतंत्र के रूप में उभर रहा है जिसके सामाजिक-आर्थिक संकेतक लगातार बेहतर हो रहे हैं जो समावेशी डिजिटल प्रौद्योगिकियों, सैद्धांतिक सुधारों और समाज के सभी वर्गों को सशक्त बनाने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि भारत ग्लोबल साउथ में बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। ग्लोबल साउथ से तात्पर्य विकासशील या कम विकसित देशों से है। बेरी ने कहा, पैमाने, गति और स्थिरता से चिह्नित भारत की विकास यात्रा अन्य विकासशील देशों के लिए एक विश्वसनीय एवं अनुकरणीय मार्ग प्रदान करती है। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के मंच से अंतरराष्ट्रीय समुदाय को संबोधित करते हुए बेरी ने कहा कि अनुमान है कि 2013-14 और 2022-23 के बीच के दशक में 24.8 करोड़ भारतीय गरीबी रेखा से बाहर निकल आए हैं। आज भारत दुनिया में नए पेशेवर युवाओं के सबसे बड़े समूह का गढ़ है और देश यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि उनका भविष्य उज्ज्वल हो। बेरी ने कहा, भारत की विकास यात्रा यह दर्शाती है कि समावेश एवं सतत विकास दोनों संभव हैं और इन्हें बड़े पैमाने पर लागू किए जा सकते हैं। भारत ने विकासशील देशों में रियायती वित्त, प्रौद्योगिकी साझेदारी एवं क्षमता निर्माण सहायता प्रदान की है जिसमें सौर ऊर्जा अवसंरचना व डिजिटल प्रबंधन उपकरण शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र के 80 वर्ष पूरे होने पर बेरी ने कहा कि भारत बहुपक्षवाद की आधारशिला के रूप में संयुक्त राष्ट्र में अपने विश्वास की पुष्टि करता है। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र को समावेश एवं सतत विकास के आधार के तौर पर काम करना जारी रखना चाहिए। भारत एक अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण और प्रभावी संयुक्त राष्ट्र प्रणाली का समर्थन करता है जो समकालीन वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करे और सभी देशों को हमारे साझा भविष्य को आकार देने के लिए सशक्त बनाए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने उच्च स्तरीय राजनीतिक मंच में अपने संबोधन में कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस मंच में ऐसे वैश्विक संघर्षों की पृष्ठभूमि में मिल रहा है, जो सतत विकास लक्ष्यों को और अधिक दूर ले जा रहे हैं। उन्होंने धीमी होती वैश्विक अर्थव्यवस्था, बढ़ते व्यापार तनाव, बढ़ती असमानताओं तथा सैन्य खर्च में वृद्धि के साथ-साथ सहायता बजट में कमी को लेकर भी चिंता व्यक्त की। गुतारेस ने कहा, अविश्वास, विभाजन एवं प्रत्यक्ष संघर्ष अंतरराष्ट्रीय समस्या-समाधान प्रणाली पर गहरा दबाव डाल रहे हैं। हम इन तथ्यों को छुपा नहीं सकते लेकिन हमें इनके आगे झुकना भी नहीं चाहिए। सतत विकास लक्ष्य अब भी हमारी पहुंच में है...अगर हम तत्परता और महत्वाकांक्षा के साथ काम करें।

अमेरिका और जर्मनी ने इस बयान पर हस्ताक्षर नहीं किए

गाजा में युद्ध अब समाप्त होना चाहिए ब्रिटेन, कनाडा समेत 28 देशों ने कहा

» लंदन, भाषा।

ब्रिटेन, जापान और कई यूरोपीय देशों समेत 28 देशों ने सोमवार को एक संयुक्त बयान में कहा कि गाजा में युद्ध अब समाप्त होना चाहिए और इजराइल को अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए। इन देशों में ऑस्ट्रेलिया और कनाडा भी शामिल हैं। इन देशों के विदेश मंत्रियों ने कहा कि गाजा में नागरिकों की पीड़ा नए स्तर तक पहुंच गई है। उन्होंने पानी और भोजन की बुनियादी जरूरतें हासिल करने की कोशिश कर रहे बच्चों और नागरिकों के लिए सहायता की धीमी आपूर्ति और उनकी अमानवीय हत्या की निंदा की। इन देशों के विदेश मंत्रियों ने एक बयान में कहा, इजराइल सरकार का सहायता वितरण मॉडल खतरनाक है, अस्थिरता को बढ़ावा देता है और गाजावासियों को मानवीय सम्मान से वंचित करता है। बयान में कहा गया है, इजराइल सरकार का असैन्य आबादी को आवश्यक मानवीय सहायता देने से इनकार करना अस्वीकार्य है। इजराइल को अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत अपने दायित्वों का पालन करना चाहिए। अमेरिका और जर्मनी ने इस बयान पर हस्ताक्षर नहीं किए। हस्ताक्षरकर्ताओं ने तत्काल युद्ध-विराम का आह्वान किया और कहा कि वे क्षेत्र में शांति लाने के लिए राजनीतिक मार्ग का समर्थन करने के वास्ते कदम उठाने को तैयार हैं।

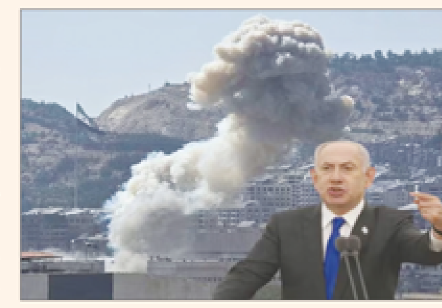

इजराइल और अमेरिका ने आलोचना को खारिज किया है। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने इस बयान को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि इसका वास्तविकता से कोई लेना-देना नहीं है और यह हमास को गलत संदेश देता है। इजराइल में अमेरिका के राजदूत माइक हुकाबी ने भी अपने देश के कई निकटतम सहयोगियों के बयान को खारिज कर दिया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में इस बयान को घृणित कहा। उन्होंने कहा कि देशों को हमास के बर्बर लोगों पर दबाव डालना चाहिए। गाजा पट्टी की 20 लाख से अधिक की फलस्तीनी आबादी एक भयावह मानवीय संकट से जूझ रही है और अब उस क्षेत्र में आने वाली सीमित सहायता पर मुख्य रूप से निर्भर है। बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हो चुके हैं। हमास ने सात अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इजराइल पर हमला कर दिया था, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए थे और 251 अन्य लोगों को बंधक बना लिया गया था। गाजा में इजराइल के 50 बंधक अब भी हमास के कब्जे में हैं, लेकिन माना जा रहा है कि इसमें से आधे से भी कम जीवित हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल के सैन्य हमले में 59,000 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं। मंत्रालय का कहना है कि मृतकों में आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे हैं।

ब्रिटेन का वीजा पाने की चाहत में फर्जी दस्तावेजों का उपयोग कर रहे पीओके प्रवासी

» लंदन, भाषा।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के प्रवासी ब्रिटेन में प्रवेश वीजा प्राप्त करने की चाहत में फर्जी दस्तावेजों का उपयोग कर रहे हैं और उसके बाद वे संभवतः देश में शरण पाने के लिए आवेदन करेंगे। ब्रिटेन की मीडिया जांच में यह दावा किया गया है। द डेली टेलीग्राफ अखबार द्वारा की गई एक गोपनीय जांच में पता चला कि झूठी जानकारी से भरे वीजा आवेदनों से ब्रिटेन में प्रवेश प्राप्त करने के लिए प्रवासी 50 हजार पाउंड तक की राशि का भुगतान कर रहे हैं। उन्होंने मीरपुर स्थित एक ऐसे सलाहकार की पहचान की है जो इस प्रक्रिया को सुगम बनाता है। समाचार पत्र द्वारा हासिल किए गए और ब्रिटेन के गृह मंत्रालय को भेजे गए एक ऐसे ही आवेदन में पीओके के एक फर्जी अस्पताल से नौकरी का संदर्भ शामिल था। ब्रिटेन में शरण मांगने वाले देशों में पाकिस्तानी नागरिक शीर्ष पर हैं। उसके बाद अफगानिस्तान, ईरान और बांग्लादेश का स्थान आता है।

हालांकि वे छोटी नावों के जरिए अवैध रूप से ब्रिटेन पहुंचने वाले लोगों में शामिल नहीं हैं। आव्रजन मामलों के वकील हरजाप भंगल के हवाले से कहा गया है, उन्हें छोटी नावों से आने की जरूरत नहीं है क्योंकि वे वीजा पर आते हैं। वे वीजा पर आने वाले और वापस न जाने वाले सबसे बड़े समूहों में से एक हैं।अखबार की गोपनीय जांच के एक हिस्से के रूप में आवेदक के रूप में एक व्यक्ति ने यूके वर्क वीजा आवेदन में प्रस्तुत करने के लिए एक नकली सीवी और पिछले रोजगार की जानकारी की पुष्टि करने वाला पत्र इस्तेमाल किया, जो अंततः सफल रहा। ब्रिटेन के गृह कार्यालय ने इन खुलासों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जांच में उठाए गए दावों की पुष्टि की जा रही है और साथ ही कुशल श्रमिक वीजा का दुरुपयोग करने वालों के लाइसेंस रद्द करने का सिलसिला जारी रहेगा। गृह कार्यालय के एक प्रवक्ता ने कहा, अवैध गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हम यह सुनिश्चित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे कि हमारे आव्रजन नियमों का सम्मान और पालन हो, इसीलिए हम इन दावों की जांच कर रहे हैं और अवैध गतिविधि पाए जाने पर उसे रोकने के लिए पहले से ही सख्त कदम उठा रहे हैं, जिसमें लाइसेंस निलंबित करना, कानूनी प्रक्रिया अपनाना और आव्रजन प्रणाली की विश्वसनीयता की रक्षा के लिए सुरक्षा उपायों को मजबूत करना शामिल है। प्रवक्ता ने कहा, हमने लगभग 30,000 ऐसे लोगों को हटाया है जिनको यहां रहने का कोई अधिकार नहीं है और अवैध काम के सिलसिले में छापेमारी में गिरफ्तारियां 51 प्रतिशत बढ़ी हैं।

अमेरिका यूनेस्को से फिर अलग होगा, दो साल पहले ही दोबारा शामिल हुआ था

पेरिस, भाषा। अमेरिका ने मंगलवार को घोषणा की कि वह संयुक्त राष्ट्र के शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) से फिर से बाहर निकल जाएगा क्योंकि वाशिंगटन इसे इजराइल विरोधी पूर्वाग्रह से ग्रस्त मानता है। यह कदम केवल दो साल पहले ही अमेरिका के यूनेस्को में फिर से शामिल होने के बाद उठाया गया है। यह तीसरी बार होगा जब अमेरिका पेरिस आधारित यूनेस्को से बाहर निकल जाएगा। ट्रंप प्रशासन के दौरान यह दूसरी बार इस संगठन से अलग होगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने पहले कार्यकाल के दौरान ही इससे बाहर निकल गए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन द्वारा संगठन में फिर से शामिल होने के लिए आवेदन किए जाने के बाद अमेरिका पांच साल की अनुपस्थिति के बाद इसमें वापस लौटा था।

ऑस्ट्रेलियाई संसद की कार्रवाई पुनः शुरू, फलस्तीन समर्थकों ने किया प्रदर्शन और इजराइल पर प्रतिबंध लगाने की मांग की

» मेलबर्न, भाषा।

ऑस्ट्रेलिया में मई में हुए चुनाव में लेबर पार्टी के सत्ता में आने के बाद पहली बार संसद की कार्यवाही मंगलवार को फिर से शुरू हुई। यह दिन काफी हद तक औपचारिक रहा, जिसमें पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों का जिक्र हुआ। फलस्तीन का समर्थन करने वाले सैकड़ों प्रदर्शनकारी मंगलवार को संसद भवन के बाहर एकत्र हुए और उन्होंने सरकार से इजराइल पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने भी 27 देशों के साथ एक संयुक्त बयान जारी कर कहा था कि गाजा में युद्ध अब समाप्त होना चाहिए। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (एबीसी) की खबर के अनुसार, मंगलवार दोपहर जब अटॉर्नी जनरल सैम मोस्टिन संसद को संबोधित कर रही थीं, तो सुरक्षा गार्ड ने 15 प्रदर्शनकारियों को उच्च सदन के सार्वजनिक गलियारे में प्रवेश करने से रोक दिया।

इस दौरान ऑस्ट्रेलियन ग्रीन्स पार्टी की उपनेता सीनेटर मेहरीन फारुकी ने मोस्टिन के भाषण के दौरान सदन में एक तख्ती उठाकर मौन विरोध जताया, जिस पर लिखा था, गाजा भूख से मर रहा है, शब्दों से उनका पेट नहीं भरेगा, इजराइल पर प्रतिबंध लगाओ। ऑस्ट्रेलिया ने

इजराइल सरकार के मंत्री इतामार बेन-गवीर और बेज़ालेल स्मोटरिच सहित कुछ इजराइली नागरिकों पर वित्तीय और यात्रा प्रतिबंध लगाए हैं, लेकिन देश की सरकार ने इजराइल पर कोई व्यापक प्रतिबंध नहीं लगाए हैं। गृह मंत्री टोनी बर्क ने कहा कि संयुक्त बयान को पश्चिम एशिया संघर्ष पर उनकी सरकार द्वारा अब तक इस्तेमाल किया गया सबसे कड़े शब्दों वाला बयान बताया। बर्क ने एबीसी से कहा, जब आप इतनी सारी अन्य महत्वपूर्ण शक्तियों के साथ मिलकर एक संयुक्त बयान दे सकते हैं, तो हम सभी को उम्मीद होती है कि कुछ ऐसा होगा, जो इस हालात को बदलेगा। बर्क ने कहा, दुनिया के दूसरे कोने में जो कुछ हो रहा है, उसे किसी भी तरह से सही नहीं ठहराया जा सकता। बंधकों को अब भी रिहा किया जाना चाहिए, लेकिन युद्ध खत्म होना जरूरी है।

न्यूज ब्रीफ

प्रस्तावित शांति वार्ता से एक दिन पहले यूक्रेन में रूसी हमलों में एक बच्चे की मौत, 24 लोग घायल

» कीव, भाषा।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने और यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत करने की अपनी पेशकश को दोहराया। दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल तीसरे दौर की सीधी वार्ता के लिए तैयार हैं। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि रूसी सेना ने रात में तीन यूक्रेनी शहरों पर हमला किया, जिसमें एक बच्चे की मौत हो गई।पुतिन ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के यूरोप के सबसे बड़े संघर्ष को समाप्त करने के लिए आमने-सामने की बैठक के जेलेंस्की के पिछले प्रस्तावों को ठुकरा दिया है। लेकिन यूक्रेनी नेता इस बात पर जोर देते है कि बुधवार को इस्तांबुल में वार्ता के लिए आने वाले निचले स्तर के प्रतिनिधिमंडलों में युद्ध को रोकने के लिए राजनीतिक ताकत नहीं है।

जेलेंस्की ने एक टेलीग्राम पोस्ट में कहा, यूक्रेन कभी भी यह युद्ध नहीं चाहता था और वह रूस ही है, जिसे इस युद्ध को समाप्त करना होगा, जिसे उसने स्वयं शुरू किया था। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोमवार देर रात घोषणा की कि वार्ता होगी, लेकिन इससे तीन साल से जारी युद्ध को समाप्त करने की दिशा में कोई खास प्रगति होने की उम्मीद कम ही है। ये हमले ट्रंप प्रशासन द्वारा शांति प्रयासों को आगे बढ़ाने की कोशिशों के बावजूद हो रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अपनी मांगों से पीछे हटने को लेकर अनिच्छुक होने के कारण ये शांति प्रयास बाधित हुए हैं। पिछले दो दौर की वार्ता इस्तांबुल में हुई थी और रूसी मीडिया की खबरों के अनुसार, इस बार भी बैठक की मेजबानी संभवतः तुर्किए के इसी शहर में होगी।

मोदी की ब्रिटेन यात्रा से पूर्व लंदन से हिंद-प्रशांत रणनीति को नया स्वरूप देने का आह्वान

» लंदन, भाषा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बहुप्रतीक्षित ब्रिटेन यात्रा और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर से पहले, देश के प्रमुख थिंक टैंक ने मंगलवार को ब्रिटेन की हिंद प्रशांत रणनीति को नया स्वरूप देने का आह्वान किया। थिंक टैंक ने कहा कि यह रणनीति केवल व्यापार समझौते तक सीमित न रहकर भारत के साथ व्यापक साझेदारी को बढ़ावा देनी वाली होनी चाहिए। रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स , जिसे आमतौर पर चैथम हाउस के नाम से जाना जाता है, ने ब्रिटेन के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र को उच्च प्राथमिकता क्यों दी जानी चाहिए शीर्षक से एक शोध पत्र जारी किया है। इस शोध पत्र में चेतावनी दी है कि यदि रणनीति केवल द्विपक्षीय संबंधों पर केंद्रित रही और व्यापक दक्षिण एशियाई क्षेत्र की अनदेखी की गई,जो भारत जैसी आर्थिक विकास गति पर नहीं है,तो यह ब्रिटेन के क्षेत्रीय हितों के लिए सीमित प्रभाव वाली साबित हो सकती है। इसमें नई दिल्ली के साथ ब्रिटेन के घनिष्ठ संबंधों को और मजबूत करने के लिए फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका जैसे अन्य देशों को शामिल करते हुए अधिक त्रिपक्षीय सहयोग का भी आह्वान किया गया है।

लंदन स्थित इस थिंक टैंक के विश्लेषण में कहा गया है, दक्षिण एशिया में, भारत के साथ सीमित व्यापार समझौते को सफलतापूर्वक अंतिम रूप देने के बाद अब ब्रिटेन को चाहिए कि वह द्विपक्षीय सहयोग के दायरे को और विस्तृत करे, ताकि दोनों देशों की व्यापक विदेश नीति प्राथमिकताओं (जैसे अमेरिका और वैश्विक दक्षिण के साथ जुड़ाव) का बेहतर लाभ उठाया जा सके। भारत और ब्रिटेन ने छह मई को एक एफटीए पर सहमति व्यक्त की थी जिसका लक्ष्य 2030 तक दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार को दोगुना करके 120 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है। इस समझौते के मसौदे की अभी कानूनी समीक्षा चल रही है और उम्मीद है कि बृहस्पतिवार को मोदी की ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर के साथ होने वाली बैठक के दौरान इस पर औपचारिक हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस दस्तावेज़ में कहा गया है, मई 2025 में ब्रिटेन द्वारा भारत के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने की घोषणा, 2021 में नई दिल्ली के साथ हुई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के प्रयासों का पूरक है। चैथम हाउस के पत्र में कहा गया है, लेकिन भारत की संरक्षणवादी प्रवृत्तियों को देखते हुए, किसी भी अंतिम समझौते के द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों में व्यापक बदलाव लाने की संभावना कम है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि ब्रिटेन सरकार अन्य माध्यमों का भी समर्थन करे जो व्यापार और निवेश संबंधों का विस्तार कर सकें, जैसे कि 2024 में शुरू की गई प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल। इसमें कहा गया कि व्यापक रूप से, पड़ोसी अर्थव्यवस्थाओं में समान प्रगति के अभाव में, भारत की अर्थव्यवस्था के कमोबेश अपने आप बढ़ने पर दांव लगाना एक खराब दांव होगा। अपनी सिफारिशों में थिंक टैंक ने ब्रिटेन से आग्रह किया है कि वह भारत के साथ महत्वपूर्ण राजनीतिक और आर्थिक संबंध विकसित करना जारी रखे, लेकिन साथ ही केवल द्विपक्षीय ब्रिटेन-भारत संबंधों तक सीमित रहने के बजाय व्यापक क्षेत्रीय एकीकरण और विकास को प्राथमिकता दे। इसमें कहा गया है, ब्रिटेन को भारत के साथ अपने संबंधों को हाल ही में संपन्न (और लंबे समय से प्रतीक्षित) व्यापार समझौते से आगे ले जाना चाहिए और फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया या अमेरिका जैसे तीसरे देशों को शामिल करते हुए त्रिपक्षीय सहयोग को भी बढ़ावा देना चाहिए। इस पत्र में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में दुनिया की अधिकांश आबादी रहती है और कुछ अनुमानों के अनुसार 2050 तक की अवधि में वैश्विक विकास में इसका योगदान 50 प्रतिशत से अधिक होगा। यह शब्द हिंद और प्रशांत महासागरों के बीच के देशों के एक समूह को संदर्भित करता है, जिसमें दक्षिण एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया और ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और जापान सहित प्रशांत क्षेत्र के देश शामिल हैं। इसमें कहा गया है, यह क्षेत्र ब्रिटिश हितों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें ब्रिटेन को प्रभावित करने वाले सुरक्षा जोखिम शामिल हैं। यह क्षेत्र महत्वपूर्ण दीर्घकालिक आर्थिक अवसर प्रस्तुत करता है, लेकिन जलवायु जोखिमों के प्रति संवेदनशील है, जिसे यदि कम नहीं किया गया तो दुनिया पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा।

ईरान के राष्ट्रपति 26 जुलाई को पाकिस्तान की यात्रा करेंगे

» इस्लामाबाद, भाषा।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन हालिया क्षेत्रीय संघर्षों की पृष्ठभूमि में द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने के लिए शनिवार को पाकिस्तान की यात्रा करेंगे। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने सोमवार को अपने ईरानी समकक्ष एस्कंदर मोमेनी के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान इस आगामी यात्रा पर चर्चा की। रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, मोमेनी ने नकवी को फोन कर पाकिस्तान में बाढ़ से हुए जान-माल के नुकसान पर दुख व्यक्त किया।

उसने कहा, ईरानी गृह मंत्री ने 26 जुलाई को ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की पाकिस्तान यात्रा पर भी चर्चा की। पेजेशकियन से पहले उनके पूर्ववर्ती इब्राहिम रईसी ने अप्रैल 2024 में पाकिस्तान की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा की थी। इस यात्रा का सटीक एजेंडा अभी ज्ञात नहीं है लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि दोनों नेता द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मामलों, विशेष रूप से हालिया संघर्षों के मद्देनजर सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं।

मृतकों में 25 बच्चे शामिल | 165 घायलों का ढाका के 10 अस्पतालों में इलाज हो रहा

बांग्लादेश में विमान दुर्घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 31 हुई

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश में वायुसेना के प्रशिक्षण विमान के ढाका में एक स्कूल की इमारत से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 31 हो गई है, जिनमें 25 बच्चे शामिल हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अस्थाई सरकार के शीर्ष अधिकारियों के दुर्घटनास्थल के दौरे के दौरान हजारों छात्रों ने प्रदर्शन किया। अधिकारियों के अनुसार, चीन में निर्मित एफ-7 बीजीआई प्रशिक्षण विमान में उड़ान भरने के कुछ ही क्षणों बाद तकनीकी खराबी आ गई और सोमवार को यह ढाका के उत्तर क्षेत्र के दियाबारी में स्थित माइलस्टोन स्कूल एवं कॉलेज की दो मंजिला इमारत से टकरा गया।

सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 31 हो गई है। इससे पहले, मुख्य सलाहकार के विशेष सलाहकार सईदुर रहमान ने संवाददाताओं को बताया कि मृतकों में कम से कम 25 बच्चे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उनमें से कई 12 साल से कम उम्र के थे जिनकी गंभीर रूप से झुलसने के कारण मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। विवरण साझा करते हुए, आईएसपीआर ने कहा कि संयुक्त सैन्य अस्पताल में भर्ती 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी में 10, लुबाना जनरल अस्पताल में दो और ढाका मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, उत्तरा आधुनिक मेडिकल कॉलेज अस्पताल और यूनाइटेड अस्पताल में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई। आईएसपीआर ने कहा कि 165 घायलों का ढाका के 10 अस्पतालों में इलाज हो रहा है। माइलस्टोन स्कूल एवं कॉलेज के साथ-साथ आसपास के स्कूलों के छात्रों ने आज सुबह प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने मृतकों से संबंधित सही जानकारी सार्वजनिक करने, पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने और बांग्लादेश वायुसेना द्वारा उपयोग किए जा रहे पुराने और असुरक्षित प्रशिक्षण विमानों को तुरंत बंद करने की मांग की। विधि सलाहकार आसिफ नज़रुल, शिक्षा सलाहकार सीआर अबरार और मुख्य सलाहकार के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने दुर्घटनास्थल का दौरा किया, जहां आंदोलनकारी छात्रों ने उनका विरोध किया और अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाए। सलाहकारों ने स्कूल के एक भवन के अंदर शरण ली, लेकिन सेना और अर्धसैनिक बलों की सुरक्षा के बावजूद छात्रों ने उस इमारत की घेराबंदी कर दी जहां उन्होंने शरण ली थी। छात्रों ने आरोप लगाया कि अधिकारी मृतकों की वास्तविक संख्या को जानबूझकर छिपा रहे हैं। हालांकि, यूनुस के कार्यालय ने एक बयान जारी कर छात्रों के दावे का खंडन किया। यूनुस के कार्यालय ने एक बयान में कहा, हम इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं कि विभिन्न वर्ग एक भ्रामक अभियान चला रहे हैं कि हताहतों की संख्या छिपाई जा रही है। हम सभी को दृढ़ता से सूचित करना चाहते हैं कि यह दावा सही नहीं है। रहमान ने संवाददाताओं को बताया कि अब तक 20 लोगों के शव उनके परिवारों को सौंप दिए गए हैं।

आईएमएफ की उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पुनः देंगी सेवाएं

» न्यूयॉर्क , भाषा।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में प्रथम उप प्रबंध निदेशक भारतीय-अमेरिकी अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने कहा कि वह हार्वर्ड विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र की प्रोफेसर के रूप में पुनः सेवाएं देंगी। आईएमएफ के इतिहास में पहली मुख्य महिला अर्थशास्त्री गोपीनाथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आईएमएफ में लगभग सात अद्भुत वर्षों के बाद मैंने अपनी शैक्षणिक जड़ों की ओर लौटने का फैसला किया है। गोपीनाथ एक सितंबर को हार्वर्ड के अर्थशास्त्र विभाग में अर्थशास्त्र की प्रथम ग्रेगरी और एनिया कॉफी प्रोफेसर के रूप में फिर से सेवाएं देंगी। उन्होंने कहा कि वह आईएमएफ में बिताए गए समय के लिए वाकई आभारी हैं। वह आईएमएफ में पहले मुख्य अर्थशास्त्री थीं और फिर उन्होंने प्रथम उप प्रबंध निदेशक के रूप में सेवाएं दीं। उन्होंने कहा कि अभूतपूर्व चुनौतियों के दौर में आईएमएफ के लिए काम करना जीवन में एक बार मिलने वाला मौका है।

उन्होंने कहा, अब मैं अकादमिक जगत में अपनी जड़ों की ओर लौट रही हूं, जहां मैं वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्त और समष्टि अर्थशास्त्र में अनुसंधान को आगे बढ़ाने तथा अर्थशास्त्रियों की अगली पीढ़ी को प्रशिक्षित करने के लिए तत्पर हूं। गोपीनाथ जनवरी 2019 में मुख्य अर्थशास्त्री के रूप में आईएमएफ में शामिल हुई थीं और जनवरी 2022 में उन्हें प्रथम उप प्रबंध निदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया। आईएमएफ में शामिल होने से पहले गोपीनाथ हार्वर्ड विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में अंतरराष्ट्रीय अध्ययन और अर्थशास्त्र की जॉन ज्वानस्ट्रा प्रोफेसर (2005-22) थीं और उससे पहले वह शिकागो विश्वविद्यालय के बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस में (2001-05) अर्थशास्त्र की सहायक प्रोफेसर थीं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,